

संक्षिप्त समाचार

बच्ची की हत्या पर बैरागढ़ में भड़के लोग, भोपाल-सीहोर मार्ग किया जाम

भोपाल। राजधानी के बैरागढ़ क्षेत्र में 12 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई नृशंस दरिंदगी और हत्या की घटना के बाद शहर में भारी आक्रोश फैल गया है। शनिवार को बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरागढ़ से भोपाल और सीहोर की ओर जाने वाले मुख्य मार्गों को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे करीब दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और सैकड़ों लोग जाम में फंसे रहे। गुरसाईं भीड़ ने बैरागढ़ थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आरोपी को उनके हवाले किया जाए, वे उसे खुद सजा देंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने थाने के दोनों मुख्य गेट बंद कर दिए और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान भीड़ ने थाने के अंदर जबरदस्ती घुसने का भी प्रयास किया, जिसे पुलिस बल ने बाहर ही रोक लिया।

सिंगरौली में महसूस हुए भूकंप के झटके, 3.5 रही तीव्रता

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में दोपहर को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई है, जबकि इसका केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। मौसम विज्ञान से जुड़े शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, यह भूकंप शनिवार दोपहर 2 बजकर 12 मिनट 35 सेकंड पर आया। जमीन के भीतर हुई हलचल के कारण इसकी तीव्रता 3.5 दर्ज की गई और इसका एपीसेंटर (केंद्र) भूतल से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इस कम तीव्रता के कारण किसी भी तरह के बड़े नुकसान को फिलहाल कोई सूचना नहीं है।पृथ्वी के भीतर कुल सात बड़ी टेक्टोनिक प्लेट्स मौजूद हैं, जो निरंतर गति करती रहती हैं। ये प्लेट्स जहां आपस में सबसे ज्यादा टकराती हैं, उस क्षेत्र को फॉल्ट लाइन कहा जाता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लॉन्च कीं नई एक्सट्रीम 160 आर 4 वी और रिफ़े़ड एक्सट्रीम 250आर

रांची। हीरो मोटोकॉर्प ने प्रीमियम मोटरसाइकिल बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई एक्सट्रीम 160आर 4वी और रिफ़े़ड एक्सट्रीम 250आर लॉन्च की हैं। दोनों मोटरसाइकिलों में स्टीटफाइटर डिजाइन, बेहतर प्रदर्शन और आधुनिक तकनीक का मेल दिया गया है। नई एक्सट्रीम 160आर 4वी में पूरी तरह नया डिजाइन, अधिक धारदार बांडी और एलईडी लाइटिंग के साथ 163 सीसी का चार-वाल्व ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है। जो 17.1 पीएस की अधिकतम शक्ति और 14.6 एनएम का टॉर्क देता है। कंपनी के अनुसार, यह बाइक 4.4 सेकंड में शून्य से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार पकड़ती है।

पंजाब के संगरूर में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार कार ने मनरेगा मजदूरों को कुचला,मौके पर 9 की मौत

पंजाब/ एजेंसी

पंजाब के संगरूर जिले में रविवार की दोपहर एक बड़े मातम में बदल गई, जब रोजी-रोटी की तलाश में सड़क किनारे काम कर रहे गरीब मनरेगा मजदूरों पर एक बेकाबू कार कहर बनकर टूट पड़ी। लहरागागा-जाखल मार्ग पर अचानक हुई इस खौफनाक दुर्घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। काम में जुटे मजदूरों को संभलने तक का अवसर नहीं मिला और तेज गति से आ रही कार उन्हें रौंदती हुई निकल गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और पीड़ित परिवारों में चीख-पुकार मची हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली

जानकारी के अनुसार, यह भीषण सड़क दुर्घटना संगरूर जिले में लहरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव अलीशेर और चोटियां के नजदीक हुई। वहां सड़क निर्माण और मरम्मत का कार्य चल रहा था। इसी दौरान लहरागागा-जाखल मुख्य मार्ग पर एक अनियंत्रित और अत्यधिक तेज रफ्तार कार अचानक मजदूरों के कार्यस्थल में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई मजदूर हवा में उछलकर दूर जा गिरे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हादसे के समय घटनास्थल पर करीब 23 महिला और पुरुष मनरेगा मजदूर सड़क किनारे अपने दैनिक कार्य में जुटे हुए थे। अचानक आई तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे काम कर रहे मजदूरों के समूह को सीधे अपनी चपेट में ले लिया। तेज



टक्कर और कुचले जाने के कारण घटनास्थल पर ही नौ मजदूरों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में महिला मजदूर भी शामिल बताई जा रही हैं। हादसे में कई अन्य मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही

स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को फ़ैरन पास के सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनके उपचार में

जुटी हुई है। अस्पताल में भर्ती कुछ घायलों की हालत अत्यंत नाजुक बताई जा रही है। इस घटना की खबर जैसे ही आसपास के गांवों में फैली, सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और परिजनों की भीड़ मौके पर जुट गई। अपनों को खो चुके गरीब परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफसंबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अपरा-तप्पी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने और मौके पर राहत व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं।

महाराष्ट्र के बीड में कार और बस की आमने-सामने की भीषण टक्कर,एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

नवरात्रि के पावन माहौल के बीच तुलजापुर में दर्शन-पूजन के लिए निकला एक परिवार सड़ते में ही भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया। बीड जनपद के माजलगांव-तेलगवाव मार्ग पर स्थित शिंदेवाडी छटे के पास कार और एसटी बस की यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में पांच लोगों की जान जाने के बाद क्षेत्र में मातम पसर गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, यह भयानक सड़क दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शिंदेवाडी छटा स्थित अधिनाश दवा बसोडे के पेट्रोल पंप के सामने हुई। माजलगांव का एक परिवार कार में सवार होकर तुलजापुर तीर्थयात्रा के लिए निकला था। यात्रा के दौरान जैसे ही कार पेट्रोल पंप के पास पहुंची, सामने से अपनी लेन में सामान्य गति से आ रही एसटी बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

पुलिस स्टेशन में तोड़फोड़ की थी

भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी गिरफ्तार हुए.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसपर पुलिस द्वारा जब्त डीजे वाहन को छुड़वाने के दौरान गुड़ियारी थाना में तोड़फेंड़ और टीआई से बदसलूकी का आरोप है। पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर पर दबिश दी, हालांकि वह मौके से पसार हो गया था। गिरफ्तार के बाद अब आरोपी को कोर्ट पेश करने की तैयारी है। गणेश पक्ष में निर्धारित समय-सीमा के बाद डीजे बजाने को लेकर पुलिस ने कार्रवाई की थी।



डीजे वाहन को जब्त कर लिया गया, जिसे छुड़वाने के लिए भाजयुमो नेता शुभांकर द्विवेदी गुड़ियारी थाना पहुंचा. आरोप है कि यहां कार्रवाई के विरोध में शुभांकर ने टीआई कक्ष में तोड़फेंड़ हुई. साथ ही टीआई नरेंद्र साहू के साथ बदसलूकी की गई.

आगे जारी रहेगा सीजेपी 2.0 आंदोलन

अभिजीत दिपके ने कहा,हम न तो डरेंगे और न ही पीछे हटेंगे..

नई दिल्ली/ एजेंसी

काँकोरच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को रिहा कर दिया गया। दिल्ली पुलिस की हिरासत से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा कि सीरव दास और आशुतोष रांका के जेल से बाहर आने के बाद पार्टी के सभी नेता एक साथ बैठकर आगे की रणनीति तय करेंगे। सीजेपी के ये दोनों प्रमुख चेहरे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें जंतर-मंतर में कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने के मामले में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।



अभिजीत दिपके ने रविवार को कहा कि सीरव दास और आशुतोष रांका की वापसी के बाद सभी लोग मिलकर आगे की रणनीति बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों में हुई गिरफ्तारियों और हिरासत की घटनाओं के जरिए आंदोलन को डराने की कोशिश की जा रही है। दिपके

ने कहा, हम न तो डरेंगे और न ही पीछे हटेंगे। यह लंबी लड़ाई है और हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीरव दास और आशुतोष रांका को भी रविवार को रिहाई मिल जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि वह कुछ कानूनी मुद्दों पर चर्चा करने जा रहे हैं। इससे पहले 13 अक्टूबर को सीजेपी के 14 कार्यकर्ता जंतर-मंतर पहुंचे थे। इनमें सीरव दास और आशुतोष रांका भी शामिल थे। पुलिस का आरोप है कि जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए। जाने और वहां भारी बैरिकेडिंग होने के बावजूद प्रदर्शनकारी एक निजी परिसर के रास्ते अंदर पहुंचे थे।

नाले में मिले युवक के शव, हत्या के संदेही ने भी फांसी लगाकर दी जान

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में नाले में मिले युवक के शव के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। ग्राम सोनपुर के कलुहा नाले में नाहर सिंह का शव मिलने के बाद पुलिस जांच में हत्या की आशंका सामने आई है। इस मामले में संदेह के घेरे में आए बालगोविंद का शव भी दो दिन बाद खेत के पास झाड़ी में फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बसदेई चौकी क्षेत्र के ग्राम सोनपुर स्थित कलुहा नाले में नाहर सिंह का शव मिला था। शुरुआती जांच में उसके सिर पर धारदार हथियार से पांच वार किए जाने की बात सामने आई।

ग्वालियर में बेकाबू ट्रक का कहर

शीतला माता मंदिर जा रहे 41 श्रद्धालुओं को कुचला,15 की मौत

■ 26 घायल ; 8 पुलिस कर्मी-अफसर सस्पेंड

ग्वालियर/ एजेंसी

ग्वालियर में देर रात शीतला माता मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं के साथ भीषण हादसा हो गया। चीनीर रोड पर ढलान से उतरते समय धान से भरा तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू हो गया। ट्रक ने सड़क किनारे दर्शन के लिए लाइन में लगे 41 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मियों समेत 26 लोग घायल हो गए। हादसा रात करीब 1:30 बजे हुआ। ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए मंदिर के गेट और बाहरी दीवार से टकरा गया। टक्कर से दीवार ढह गई और कई लोग

मलबे में दब गए। घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर गुगल मैप की मदद से ट्रक चला रहा था। उसने ब्रेक फेल होने की बात कही है। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया और चार टीआई समेत आठ अफसरों व पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। हादसा शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हुआ। चीनीर की ओर से शीतला माता मंदिर आ रहा धान से भरा ट्रक तीखी ढलान पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक पुलिस बैरिकेड तोड़ते हुए श्रद्धालुओं की भीड़ में जा घुसा और मंदिर के प्रवेश द्वार व बाहरी दीवार



से टकरा गया। टक्कर के बाद दीवार का हिस्सा ढह गया और कुछ लोग मलबे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते-तपरी मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। नवरात्रि के दौरान शीतला माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर की ओर जाने वाले पहाड़ी मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए बैरिकेड और पुलिस चेक-पॉइंट लगाए गए थे।

कोलकाता दुर्गा पूजा पंडाल हादसा: अब तक 19 की मौत एसआईटी जांच का ऐलान, घायलों से मिले अमित शाह

कोलकाता के चौरबागान सार्वजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार रात मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। घायलों का शहर के तीन अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें से पांच मरीज आईसीयू में भर्ती हैं और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। रविवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपत्ती अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुर्वेइ अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, पूजा आयोजकों की ओर से लाउडस्पीकर पर की गई एक घोषणा के बाद मौके पर अफरा-तफरी मची। हालांकि, घोषणा में क्या कहा गया था, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, दो पीड़ितों के परिजनों ने खट भी दावा किया कि पंडाल के पास निजी सुरक्षा गार्ड की सीटी बजने से प्रवेश का इंतजार कर रही भीड़ में भगदड़ मच गई। इन दावों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने मामले में गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज कर पूजा समेटी के सचिव और उपाध्यक्ष समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी उम्र 14 लोगों में शामिल हैं, जिन्हें शनिवार रात हिरासत में लिया गया था। गिरफ्तार लोगों में पंडाल के बांस के ढांचे के निर्माण और भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपते वाले लोग भी शामिल हैं। हादसे के बाद पंडाल की सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन पर सवाल उठ रहे हैं। गौरतलब है कि घटना से मछर दो दिन पहले चौरबागान दुर्गा पूजा पंडाल को पश्चिम बंगाल सरकार के 'देवी दुर्गा सम्मान 2026' के तहत 'बेस्ट ऑफबेस्ट' श्रेणी में सम्मानित किया गया था।



संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास, छेड़छाड़ व लूटपाट के मामलों में 4 आरोपित गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास, नाबालिग से छेड़छाड़ और लूटपाट के अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल चार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार या निरुद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। दो मामलों में प्यार आरोपियों को पकड़ने में भी पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिले में अपराधों पर नियंत्रण और आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली पुलिस ने 14 अक्टूबर 2026 को इन मामलों में कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 4 मार्च 2026 को मोतीसागर निवासी प्रवीण बरठ पर कुछ आरोपियों ने कथित तौर पर एक राय होकर चाकू और ऑपरेशन ब्लेड से हमला किया था। इस मामले में हत्या की नीयत से हमला करने की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 226/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

दुर्गा पंडाल और मीना बाजार में चाकू लहराकर श्रद्धालुओं को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। नवरात्रि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को चाकू दिखाकर डराने-धमकाने वाले एक युवक को सुहेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी दुर्गा पंडाल और मीना बाजार परिसर में चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैला रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से स्टीलनुमा बटनदार चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, घटना 13 अक्टूबर की रात करीब 11:05 बजे ग्राम सुहेला स्थित दुर्गा पंडाल एवं मीना बाजार परिसर की है। पुलिस टीम नवरात्रि मेले में सुरक्षा और पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान दुर्गा पंडाल के बाईं ओर होटल और मिठाई दुकानों के पीछे एक युवक हाथ में चाकू लहराते हुए श्रद्धालुओं को धमका रहा था। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रेमलाल वर्मा (21 वर्ष), पिता चंदूलाल वर्मा, निवासी ग्राम देवरी, थाना भाटापारा ग्रामीण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना सुहेला में अपराध क्रमांक 191/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में मामला दर्ज किया है। आरोपी को 14 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की गई।

दुष्कर्म मामले में हाईकोर्ट ने आरोपी की अपील खारिज की

रायपुर। नाबालिग को बहला-पुसलाकर ले जाने और बार-बार दुष्कर्म करने के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दोषी की अपील खारिज कर दी है। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की सिंगल बेंच ने ऑक्कापुर की विशेष पॉक्सो अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए स्पष्ट किया कि घटना के समय पौड़िता को उम्र 17 साल 6 महीने थी। ऐसे में उसकी सहमति का कानूनी महत्व नहीं है। हाईकोर्ट ने दोषसिद्ध और सजा को सही ठहराया है। मामले के अनुसार, आरोपी पौड़िता का दूर का रिश्तेदार था और कुछ समय तक उसके परिवार के घर में रहा था। आरोप था कि इसी दौरान उसने पौड़िता को बहलाकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

राजधानी

74.80 लाख रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उप मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

■ छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

■ सड़क की खराब स्थिति पर तत्काल लिया संज्ञान, अधिकारी को फ़ोन कर सड़क उखाड़कर दोबारा बनाने के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी बातें सुनना, उनकी परेशानियों को समझना और गांव की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों की घोषणा करना, उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक श्री विजय

शर्मा का यही सहज अंदाज ग्राम बंदीरा और ठकुराइनटोला में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रमों के दौरान देखने को मिला। उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी मांगें और समस्याएं सुनीं और गांव के विकास से जुड़ी मांगों पर गंभीरता से चर्चा की। इस दौरान गांव वाले की मांग पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 74.80 लाख रुपए की घोषणा की। वहीं, बंदीरा में सड़क की खराब स्थिति की शिकायत सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारी को फ़ोन कर सड़क उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए। ग्राम बंदीरा में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वार्ड क्रमांक 10 में कबीर कुटी निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, सामाजिक भवन के लिए 10 लाख रुपए और नवधा मंच निर्माण के लिए 3 लाख रुपए की घोषणा की। इसके अलावा मुक्तिधाम में शेंड निर्माण तथा गांव में शेंड निर्माण के लिए 18 लाख रुपए देने की घोषणा की। ग्राम



ठकुराइनटोला में 7.80 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, 10 लाख रुपए की लागत से सामाजिक भवन और मुक्तिधाम के लिए 6 लाख रुपये की घोषणा की गई। वहीं, ग्राम नयापारा

पंचायत में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। इन कार्यों से ग्रामीणों को सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

उमेन्द्र को खेती-किसानी में मिल रहा आर्थिक संबल.....

रायपुर। संवाददाता

जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम सलखन निवासी किसान उमेन्द्र यादव को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से खेती-किसानी के खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है। योजना के तहत प्रतिवर्ष मिलने वाली 6 हजार रुपये की सहायता राशि से उन्हें खाद, बीज और अन्य कृषि आवश्यकताओं की व्यवस्था करने में सहायता मिल रही है। उमेन्द्र यादव के लिए खेती आजीविका का प्रमुख साधन है। फसल की बुआई और कृषि कार्यों की तैयारी के दौरान खाद-बीज सहित अन्य जरूरी संसाधनों के लिए समय पर राशि की आवश्यकता होती है। ऐसे में सम्मान निधि के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता उन्हें खेती

से जुड़े खर्चों के प्रबंधन में सहयोग प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की राशि दो-दो हजार रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में दी जाती है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से मिलने वाली यह राशि किसानों को कृषि संबंधी जरूरतें पूरी करने में मदद करती है। उमेन्द्र यादव ने योजना से मिल रही आर्थिक सहायता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। सेवा संकल्प अभियान के तहत उनकी कहानी बताती है कि नियमित आर्थिक सहायता किसानों को खेती-किसानी के जरूरी खर्चों की व्यवस्था करने में सहारा दे रही है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की अपेक्स कमेटी की बैठक

■ जल जीवन मिशन के सुचारु संचालन, शुद्धता की जांच और डिजिटल मॉनिटरिंग पर विशेष जोर

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की अपेक्स कमेटी बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य जल जीवन मिशन के तहत तैयार बुनियादी ढांचे के निर्माण के बाद अब इसके सुचारु संचालन, संधारण (रखरखाव) और नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों



शामिल हुए। मुख्य सचिव ने राज्य में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने और पेयजल की शुद्धता की निरंतर एवं कड़ाई से जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत कार्ययोजना और रणनीति पर गहन चर्चा की गई। विशेष रूप से पिछड़ी जनजातीय बसाहटों में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर संसाधनों और रूपरेखा की समीक्षा की गई। भूजल के विवेकपूर्ण उपयोग और जल स्रोतों के संरक्षण व सुरक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। राज्य में संचालित सोलर व रेड्योफिटिंग तथा बल्क वॉटर योजनाओं की वर्तमान प्रगति एवं वित्तीय भुगतान के अधिकारी समीक्षा की गई।

स्वीकृत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में करें पूरा.....

■ वीबी जी रामजी के तहत स्कूलों में स्मार्ट टॉयलेट को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), शिक्षा विभाग, नगर निगम, जिला पंचायत सहित विभिन्न विभागों में पूर्व एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र शुरू करने और प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समग्र शिक्षा के

अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अध्ययन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। कलेक्टर ने वीबी जी राम जी के तहत स्कूलों में स्वीकृत स्मार्ट टॉयलेट, दीवार निर्माण, फर्श निर्माण सहित अन्य छोटे-बड़े कार्यों को तत्काल पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। नवा रायपुर में प्रस्तावित हाईराइज बिल्डिंग के निर्माण के संबंध में कलेक्टर ने अग्निशमन व्यवस्था, जल की पर्याप्त उपलब्धता तथा सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने पूरे किए अपने सपने.....

रायपुर। सत्यनारायण बरेठ ने लगभग 14 वर्षों तक एक होटल में कार्य करते हुए अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाईं। वर्षों तक दूसरे के लिए काम करने के दौरान उनके मन में हमेशा यह इच्छा थी कि एक दिन वे अपना छोटा-सा व्यवसाय शुरू करें और अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार के भविष्य को बेहतर बना सकें। कोविड-19 महामारी के दौरान आए लॉक-डाउन ने उनके जीवन को भी प्रभावित किया, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपने सपने को छोड़ने के बजाय उसे नई दिशा देने का संकल्प लिया। इसी संकल्प के साथ सत्यनारायण बरेठ ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत दस हजार रुपए के ऋण के तहत उन्होंने फ़ैसट-पूड का छोटा-सा

व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत भले ही छोटी थी, लेकिन उनके भीतर आत्मविश्वास और मेहनत की कमी नहीं थी। उन्होंने लगन और निरंतर प्रयास से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना शुरू किया। समय के साथ उनके प्रयास रंग लाने लगे। उन्होंने पहला ऋण समय पर चुका दिया, जिसके बाद उन्हें योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपए का अगला ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपने व्यवसाय को और विस्तार दिया। कारोबार बढ़ने के साथ उनकी आमदनी में भी सुधार आया और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उन्हें पहले की अपेक्षा अधिक सहायता मिले लगी। बरेठ के लिए यह केवल व्यवसाय बढ़ने की कहानी नहीं है, बल्कि अपने सपने को हकीकत में बदलने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की कहानी है।

इरिकपाल की फूलमती दीदी ने आधुनिक खेती से रचा नया इतिहास



रायपुर/ संवाददाता

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां समूचा अंचल आदिशक्ति मां दुर्गा और मां दैतेश्वरी की आराधना में लीन है, वहीं बस्तर की धरा पर नारी शक्ति अपने कठोर परिश्रम और आत्मनिर्भरता से मां के सशक्त स्वरूप का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत बस्तर जिले के ग्राम ईरिकपाल में इंटीग्रेटेड फ़ार्मिंग क्लस्टर से जुड़कर स्व-सहायता समूह की महिलाएं उन्नत खेती के जरिए आर्थिक स्वावलंबन की एक अनूठी इबागत लिख रही हैं। इसी क्रम में ईरिकपाल के 'मां दैतेश्वरी उमा स्वयं सहायता समूह' की सक्रिय सदस्य फूलमती दीदी आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर पूरे क्षेत्र में स्वावलंबन की सशक्त मिसाल पेश की है। फूलमती दीदी ने तकनीकी मार्गदर्शन को अपनाते हुए अपने खेत में मचान विधि, मल्लिंग और वैज्ञानिक देखरेख के साथ विभिन्न प्रकार की नकदी सब्जियों की सघन खेती शुरू की। उनकी कड़ी मेहनत और आधुनिक तौर-तरीकों के मेल का ही नतीजा है कि उन्होंने

अब तक 10 क्विंटल से अधिक ताजी और पौष्टिक हरी सब्जियों का बंपर उत्पादन हासिल किया है। उनकी बाड़ी में इस समय करेला, तोरई, बरबट्टी, परवल और अन्य हरी सब्जियों की भरपूर पैदावार लहलहा रही है। वैज्ञानिक पद्धतियों से उगाई जाने के कारण इन सब्जियों का आकार, ताजगी और गुणवत्ता बेहद उम्दा है, जिसके चलते स्थानीय हाट-बाजारों में इनकी जबरदस्त मांग बनी हुई है। सब्जियों की नियमित तुड़ाई के बाद उन्हें क्रेट्स में सुव्यवस्थित कर सीधे स्थानीय बाजारों में विक्रय के लिए ले जाया जा रहा है। विचैलियों की व्यवस्था समाप्त होने से उपज का पूरा और वाजिब मूल्य सीधे फूलमती दीदी तक पहुंच रहा है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नवरात्रि के त्रों और त्योहारों माहौल के बीच ताजी हरी सब्जियों की मांग अधिक होने से उनकी उपज हाथों-हाथ बिक रही है, जिससे उनके चेहरे पर स्वावलंबन की मुस्कान साफ झलकती है। फूलमती दीदी का अनुभव बताता है कि समूह से जुड़ने और आईएमसी क्लस्टर के तकनीकी मार्गदर्शन के बाद उनकी खेती लागत में भारी कमी आई है।

विभिन्न जिलों से आए 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया

कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

■ बल्कि उन्हें व्यावहारिक दक्षता, आत्मनिर्भरता तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती

रायपुर/ संवाददाता

समग्र शिक्षा के अंतर्गत राज्य के विद्यालयीन शिक्षकों के लिए क्षेत्र-विशेष शिक्षक क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजनसेमिनार हाल, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में किया गया। यह कार्यक्रम पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की घटक इकाई, के तत्वावधान में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा स्कूली शिक्षा

2023 के अनुरूप विद्यालयों में कौशल आधारित, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं का विकास करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर जानकारी एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए गए। 12 से 16 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, संरक्षित खेती, सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बीज उत्पादन, कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा परीक्षण, सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, पुष्प उत्पादन तथा कटाई उपरांत प्रबंधन पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किया। समापन अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कौशल आधारित शिक्षा के महत्व एवं वर्तमान समय में इसकी बढ़ती आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक एवं कौशल



शिक्षा विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक दक्षता, आत्मनिर्भरता तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान, तकनीकी कौशल एवं अनुभवों का प्रभावी उपयोग अपने विद्यालयों में करें तथा विद्यार्थियों को कृषि की नवीन तम तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों से परिचित कराएं। उन्होंने कृषि शिक्षा को नवाचार,

उद्यमिता एवं स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ने पर विशेष बल दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कौशल शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी के योगदान, सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग को सराहना की। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव का उपयोग शिक्षक अपने-अपने

विद्यालयों में कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने में करेंगे। समापन अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता महोदया डॉ. आरती गुहे द्वारा प्रतिभागियों के साथ विचार एवं अनुभव साझा किया गया। आयोजकों ने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का उपयोग शिक्षक अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक, कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने में करेंगे। यह पहल विद्यालयीन शिक्षा को कृषि, व्यावसायिक कौशल एवं उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रामा मोहन सावु द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता महोदया, आयोजकों, सहयोगियों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वाले कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनूप कुमार राठौर सहित सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

संपादकीय

दिल्ली के सीमापुरी इलाके में चार मंजिला इमारत ढहने की घटना को महज एक ह्दसा कहकर आगे बढ़ना आसान है, लेकिन सवाल यही है कि राजधानी में ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। सवाल इमारत ढहने का ही नहीं, तंत्र की नाकामी का भी है।अगर किसी इमारत में दर्रां दिख रही थीं, तो क्या किसी जिम्मेदार तंत्र की नजर उस पर नहीं थी? क्या

राजधानी में जर्जर और जोखिम वाली इमारतों का कोई अभिलेख नहीं है? क्या लोगों की जान बचाने के लिए किसी इमारत के मलबे में बदलने का इंतजार जरूरी है? पिछले महीने सत्य निकेतन की घटना अभी भी लोगों की जेहन में ताजा है। वहां भी ह्दसे की जिम्मेदारी तय करने के आशवासन मिले। मगर उन घटनाओं से व्यवस्था ने क्या सबक

जर्जर इमारतों को खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी

लिया?विडंबना है कि ह्दसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा।सवाल यह कि आखिर जिम्मेदार कौन है? केवल भवन

मालिक? अवैध निर्माण करने वाला? निर्माण की अनुमति देने वाला? निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी? या फिर वह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था, जो खतरे को देखते हुए भी समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाती? जिम्मेदारी जितनी बंटी हुई दिखाई देती है, जवाबदेही उतनी ही गायब नजर आती है।राजधानी में सुरक्षित आवास कोई

विलासिता नहीं, नागरिक का बुनियादी अधिकार है। इसलिए जरूरी है कि जोखिम वाली इमारतों का नियमित संरचनात्मक सर्वेक्षण हो, उन्हें खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था बने और लापरवाही साबित होने पर जिम्मेदारी ऊपर तक तय हो। मुआवजा मृत लोगों को वापस नहीं ला सकता और जांच किसी परिवार की

उजड़ी दुनिया फिर से नहीं बसा सकती।दिल्ली को ऐसी व्यवस्था चाहिए जो मलबा हटाने में दक्ष होने से पहले किसी इमारत को ढहने से रोकने में सक्षम हो। बरना हर अगली ढहती इमारत यही गवाही देगी कि यहां मौत अचानक नहीं आती, व्यवस्था की लापरवाही ऐसी स्थिति को धीरे-धीरे तैयार करती है।

युद्ध की होड़ के बीच कराहती मनुष्यता

(संतोष कुमार पाठक)
रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्ष और लाल सागर में जारी तनाव तक दुनिया के कई हिस्से लंबे समय से हिंसा की चपेट में हैं। हर संघर्ष के पीछे अलग राजनीतिक, सामरिक और सुरक्षा संबंधी कारण हैं, लेकिन उसका सबसे बड़ा बोझ आम नागरिक उठाता है। घर उजड़ते हैं, कारोबार ठप होते हैं, बच्चे स्कूल से दूर होते हैं और लाखों लोग विस्थापन का दर्द झेलते हैं। सृष्टि के सबसे विवेकशील प्राणी होने का दावा करने वाला इंसान आज अपने ही अस्तित्व को खतरे में डालने की होड़ में लगा है। विज्ञान और तकनीक ने जहां जीवन को आसान बनाया है वहीं संभावनाएं पैदा की हैं, वहीं उसी तकनीक ने विनाश के ऐसे साधन भी तैयार कर दिए हैं, जो कुछ ही समय में शहरों को मलबे में तब्दील कर सकते हैं। दुनिया के किसी भी हिस्से में नजर डालें, तो युद्ध, सैन्य तैयारियों और हथियारों की होड़ को खबरें लगातार सामने आती हैं। कहीं मिसाइलों का परीक्षण हो रहा है, तो कहीं लड़ाकू विमानों, ड्रोन और युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। सवाल यह है कि आखिर यह ताकत किसके लिए जुटाई जा रही है?
रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्ष और लाल सागर में जारी तनाव तक दुनिया के कई हिस्से लंबे समय से हिंसा की चपेट में हैं। हर संघर्ष के पीछे अलग राजनीतिक, सामरिक और सुरक्षा संबंधी कारण हैं, लेकिन उसका सबसे बड़ा बोझ आम नागरिक उठाता है। घर उजड़ते हैं, कारोबार ठप होते हैं, बच्चे स्कूल से दूर होते हैं और लाखों लोग विस्थापन का दर्द झेलते हैं। सैन्य ताकत का प्रदर्शन किसी देश की सुरक्षा जरूरतों का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब हथियारों की होड़ लगातार बढ़ती जाती है, तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। खंडहरों पर फहराया गया विजय का झंडा किसी सभ्यता की वास्तविक जीत नहीं हो सकता। युद्ध खत्म होने के बाद भी उसके घाव पीढ़ियों तक बने रहते हैं। आज के युद्ध का स्वरूप तलवार और ढाल से लड़ने वाला नहीं है। यह मिसाइलों, ड्रोन, साइबर तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और लंबी दूरी के अत्याधुनिक हथियारों का दौर है। इंसान ने अपनी वैज्ञानिक क्षमता से ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जिसमें युद्ध के मैदान और आम नागरिकों के घर के बीच की दूरी बहुत कम हो गई है। यही कारण है कि आधुनिक युद्ध का सबसे बड़ा खतरा केवल सैनिकों के लिए नहीं, बल्कि पूरी आबादी के लिए होता है। हथियारों की इस होड़ का एक दूसरा पहलू आर्थिक भी है। स्टकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के अनुसार, वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य खर्च 2.718 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गया। यह एक साल में 9.4 फीसद की वास्तविक वृद्धि थी और शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद सैन्य खर्च में हुई सबसे तेज वार्षिक बढ़ोतरी। इस दौरान अफ्रीका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल रहे। हथियारों का अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी लगातार बढ़ रहा है। सिपरी के अनुसार, वर्ष 2020-24 के दौरान अमेरिका अकेले दुनिया के प्रमुख हथियारों के निर्यात में 43 फीसद हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा निर्यातक रहा। इसी अवधि में यूरोप में हथियारों के आयात में भी तेज वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी तरफ, दुनिया के सामने

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में करीब 67.3 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि दुनिया की आर्थिक प्राथमिकताएं किस दिशा में जा रही हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ केवल ज्यादा से ज्यादा हथियार जमा करना नहीं हो सकता। क्या हम युद्धों के इतिहास से कुछ भी सीखना नहीं चाहते? हथियारों के बढ़ते कारोबार के पीछे केवल देशों की सुरक्षा जरूरतें नहीं हैं। इसके साथ एक बड़ा वैश्विक रक्षा उद्योग भी जुड़ा हुआ है। युद्ध और तनाव बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। सिपरी के अनुसार, दुनिया के सौ सबसे बड़ी हथियार निर्माता और सैन्य सेवा कंपनियों की कुल आय 2024 में 5.9 फीसद बढ़कर रिकार्ड 679 अरब डालर पहुंच गई।



भूख, गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पानी और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं हैं। करोड़ों लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में करीब 67.3 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि दुनिया की आर्थिक प्राथमिकताएं किस दिशा में जा रही हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ केवल ज्यादा से ज्यादा हथियार जमा करना नहीं हो सकता। क्या हम युद्धों के इतिहास से कुछ भी सीखना नहीं चाहते? हथियारों के बढ़ते कारोबार के पीछे केवल देशों की सुरक्षा जरूरतें नहीं हैं। इसके साथ एक बड़ा वैश्विक रक्षा उद्योग भी जुड़ा हुआ है। युद्ध और तनाव बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। सिपरी के अनुसार, दुनिया की सौ सबसे बड़ी हथियार निर्माता और सैन्य सेवा कंपनियों की कुल आय 2024 में 5.9 फीसद बढ़कर रिकार्ड 679 अरब डालर पहुंच गई। यहां सवाल रक्षा उद्योग के अस्तित्व का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है, जिसमें संघर्ष बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। किसी भी युद्ध का आर्थिक लाभ अगर कहीं दिखाई देता है, तो वह युद्ध झेल रहे समाज की कीमत पर नहीं होना चाहिए, क्योंकि हथियारों की बिक्री का आंकड़ा बढ़ना और मानव जीवन की सुरक्षा बढ़ना दो अलग बातें हैं। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया और सूडान तक संघर्षों ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है। घर, स्कूल,

अस्पताल और बुनियादी ढांचा नष्ट होने का असर युद्ध खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक रहता है। ऐसी स्थिति में एक पीढ़ी को सामान्य जीवन में लौटने में वर्षों लग सकते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का एक बड़ा उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करना था। मगर सुरक्षा परिषद की संरचना और वीटो व्यवस्था के कारण कई बार वह प्रभावी कार्रवाई करने में असमर्थ दिखाई देती है। पांच स्थायी सदस्यों में से किसी एक के वीटो के कारण सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पर्याप्त समर्थन मिलने के बावजूद पारित नहीं हो सकता। गाजा को लेकर भी ऐसा कई बार हुआ है। नवंबर 2024 में सुरक्षा परिषद में तत्काल और स्थायी युद्धविराम की मांग वाला प्रस्ताव चौदह सदस्यों के समर्थन के बावजूद अमेरिका के वीटो के कारण पारित नहीं हो सका। जून 2025 में भी इसी तरह का एक प्रस्ताव चौदह मतों के समर्थन के बावजूद अमेरिकी वीटो से रुक गया। यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकता को तो दिखाती है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी खड़ा करती है कि जब दुनिया के किसी हिस्से में बड़े पैमाने पर मानवीय संकट हो, तब वैश्विक संस्थाओं की प्रभावशीलता कितनी रह जाती है। केवल चिंता व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युद्ध रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी अंतरराष्ट्रीय तंत्र भी जरूरी है। मानव सभ्यता आज ऐसे दौर में है, जहां युद्ध की

कीमत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ी हो चुकी है। परमाणु हथियारों और आधुनिक तकनीक ने यह खतरा बढ़ा दिया है कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का असर सीमाओं से बाहर तक जा सकता है। इसलिए सैन्य शक्ति के साथ संवाद, कूटनीति और संघर्षों को रोकने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी है। दुनिया को हथियारों की जरूरत पूरी तरह खत्म करने की बात शायद व्यावहारिक न लगे, क्योंकि हर देश अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है। मगर हथियारों की अंधी होड़ को रोकना, सैन्य खर्च में संतुलन लाना, विनाशकारी हथियारों के प्रसार पर नियंत्रण और युद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूर संभव लक्ष्य हो सकते हैं। आखिरकार किसी देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रमाण उसके शस्त्रागार का आकार नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सुरक्षित और सम्मानजनक ज़िंदगी होनी चाहिए। विज्ञान का इस्तेमाल इंसान की सांसें रोकने के लिए नहीं, उन्हें बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। बारूद से भरी दुनिया में सबसे बड़ी जरूरत किसी नई मिसाइल की नहीं, बल्कि उस विवेक की है, जो इंसान को याद दिलाए कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः उसी धरती पर जीता है, जिस पर दूसरे इंसान रहते हैं। अगर इंसान ने अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ अपने विवेक को नहीं बचाया, तो आने वाली पीढ़ियां यह जरूर पूछेंगी कि इतनी बुद्धिमत्ता हासिल करने के बाद भी इंसान शांति का रास्ता क्यों नहीं खोज सका।

भारतीय प्रतिभा का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा, ट्रंप प्रशासन को भारत का करारा जवाब

प्रशासन का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऐसी व्यवस्था का इस्तेमाल किया, जिससे अमेरिकी कामगारों के रोजगार और वेतन पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब सवाल उठता है कि आखिर पीईआरएम है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि पीईआरएम यानी रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। सामान्यतः नियोक्ता को अमेरिकी श्रम विभाग से प्रमाणित कराना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त इच्छुक और योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं और विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कामकाजी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(नीरज कुमार दुबे)
अमेरिका में भारतीय प्रतिभा का लोहा मानने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अब उसी प्रतिभा के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, जिसने अमेरिकी तकनीकी उद्योग को वैश्विक ताकत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एक तरफ ट्रंप भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट सीओ सत्य नडेला की तारीफ करते हैं, तो दूसरी तरफ उपराष्ट्रपति जेडी वॉस के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो और कॉनिंगेंट समेत आठ प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों को ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया से जुड़े पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित कर देता है। इस फैसले से हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के भविष्य और अमेरिका में स्थायी निवास पाने की उम्मीदों पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया में स्पष्ट किया है कि पीईआरएम कार्यक्रम और एच-1बी वीजा अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं तथा पीईआरएम आवेदनों पर रोक लगाने से मौजूदा एच-1बी वीजा या उनके धारकों और आश्रितों की स्थिति अपने आप प्रभावित नहीं होती, भले ही पात्र कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। विदेशी मंत्रालय ने यह भी दोटक कहा है कि प्रतिभाओं की आवाजाही भारत और अमेरिका, दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए फायदेमंद है। इससे अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवर, नवाचार, अनुसंधान, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। मंत्रालय ने वॉस की उन टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई है, जिनमें विदेशी कर्मचारियों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। भारत ने कहा कि अमेरिका में भारतीय पेशेवर उच्च शिक्षित और कुशल योगदानकर्ता हैं तथा उन्हें औपनिवेशिक इतिहास की पीड़ादायक याद दिलाने वाली भाषा से संबोधित करना गहरे तौर पर आपत्तिजनक है। देखा जाये तो भारत का यह बयान महज औपचारिक

कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि वाशिंगटन के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारतीय प्रतिभा को अपमानित करके और उसके अवसर सीमित करके दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। अब बड़ा सवाल यह है कि ट्रंप प्रशासन का यह कदम अमेरिकी रोजगार की सुरक्षा तक सीमित है या इसके पीछे चुनावी राजनीति, भारत पर आर्थिक दबाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों के समीकरण भी काम कर रहे हैं? उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति जेडी वॉस, श्रम सचिव कोथ सॉन्डरलिंग और अर्दानी जनरल टॉड ब्लॉश ने अमेरिकी एंटी-फॉड टास्क फोर्स पहल के तहत आठ प्रौद्योगिकी कंपनियों को पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित करने की घोषणा की। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कॉनिंगेंट और कैपजेमिनी शामिल हैं। प्रशासन का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऐसी व्यवस्था का इस्तेमाल किया, जिससे अमेरिकी कामगारों के रोजगार और वेतन पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब सवाल उठता है कि आखिर पीईआरएम है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि पीईआरएम यानी रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। सामान्यतः नियोक्ता को अमेरिकी श्रम विभाग से प्रमाणित कराना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त इच्छुक और योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं और विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कामकाजी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इसके बाद ही नियोक्ता विदेशी कर्मचारी के रोजगार आधारित स्थायी निवास की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकता है। इस कार्यक्रम से आठ कंपनियों को बाहर करने का मतलब यह है कि वे नई पीईआरएम अर्जियां दाखिल नहीं कर पाएंगी और उनकी लंबित अर्जियों पर भी प्रक्रिया रुक जाएगी। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि



इन कंपनियों में काम कर रहे सभी भारतीयों के एच-1बी वीजा रद्द हो गए हैं या उन्हें तत्काल अमेरिका छोड़ना पड़ेगा। अस्तरी खतरा उन कर्मचारियों के लिए है जो छह साल की सामान्य एच-1बी अवधि के करीब पहुंच रहे हैं और अमेरिकी में लंबे समय तक बने रहने के लिए ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर निर्भर हैं। कुछ परिस्थितियों में ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया के निर्धारित चरण पूरे होने पर एच-1बी अवधि बढ़ाई जा सकती है। पीईआरएम प्रक्रिया रुकने से ऐसे कर्मचारियों के लिए भविष्य की योजना बनाना कहीं अधिक मुश्किल हो सकता है। देखा जाये तो अमेरिकी प्रशासन को इस कार्रवाई ने भारतीय आईटी उद्योग से लेकर अमेरिका में

पढ़ाई और नौकरी करने का सपना देखने वाले युवाओं तक अर्निक्षितता बढ़ा दी है। जेडी वॉस ने माइक्रोसॉफ्ट पर सबसे तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कंपनी ने 2025 में करीब 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, लेकिन साथ ही 6,000 से अधिक एच-1बी वीजा की मंजूरी हासिल की और 3,600 से अधिक पीईआरएम आवेदन भी दाखिल किए। उन्होंने विदेशी कर्मचारियों को फॉरेन इंडेंचर्ड सर्वैट्स और ऐसी कंपनियों को वीजा मिल्लत तक कह दिया। श्रम सचिव सॉन्डरलिंग का दावा है कि केवल इन कंपनियों ने 2009 से लगभग 30 लाख विदेशी कर्मचारियों के लिए अनुरोध किए, 2.30 लाख से अधिक एच-1बी वीजा मंजूर करए और एक लाख से अधिक पीईआरएम प्रमाणन हासिल किए। प्रशासन इन आंकड़ों को अमेरिकी कामगारों के अवसर छिनने से जोड़ रहा है। लेकिन आवेदन, मंजूरी, वास्तविक नियुक्ति और अमेरिकी कर्मचारी की जगह विदेशी कर्मचारी रखे जाने के आंकड़े अलग-अलग हैं। माइक्रोसॉफ्ट का पक्ष भी इस बहस में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने कहा है कि उसके करीब 6,000 एच-1बी आवेदनों में लगभग 80 प्रतिशत मौजूदा कर्मचारियों के वीजा विस्तार या उनकी स्थिति बदलने से संबंधित थे। इसका अर्थ है कि सभी आवेदनों को नई विदेशी भर्तियों के रूप में नहीं देखा जा सकता। साथ ही नेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर सॉफ्टवेयर एंड टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स के संस्थापक राजीव दामाडकर की व्याख्या इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू सामने लाती है। उनके मुताबिक, अमेरिकी प्रशासन अब केवल यह नहीं पूछ रहा कि विदेशी कर्मचारी योग्य है या नहीं, बल्कि यह भी जांच रहा है कि विदेशी श्रम की भर्ती, भुगतान और आपूर्ति का कारोबारी मॉडल किस तरह काम करता है।

नवरात्र की भीड़ में चांपा की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, पंडालों में उमड़ रहे श्रद्धालु, सड़कों पर पुलिस की सक्रियता पर सवाल

चांपा पुलिस की पोल खोल गए नपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव, नवरात्र में पेट्रोलिंग ‘शून्य’, एसडीओपी को लगाया तत्काल फोन

जांजगीर-चांपा। नगर में शारदीय नवरात्र पर्व की घूम मची हुई है। जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। भव्य पंडालों, आकर्षक विद्युत सजावट और साउंड सिस्टम के बीच मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। लेकिन इस भक्तिमय माहौल के बीच चांपा नगर की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। दुर्गा उत्सव समितियों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने पुलिस की सक्रियता पर नाराजगी जताई है। अब नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने भी पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए तत्काल सुधार की मांग की है।

नवरात्र में भक्तों का सैलाब, पुलिस की पेट्रोलिंग पर सवाल- नगर में

करीब 10 से 15 स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजमान हैं। इनमें कई पंडालों में राम होते ही बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में प्रमुख पंडालों के आसपास सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और नियमित पुलिस पेट्रोलिंग की आवश्यकता है। लेकिन स्थानीय समितियों और नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी दिखाई नहीं दे रही है। समितियों से जुड़े लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यवस्था का जिम्मा समिति के पदाधिकारियों और निजी सुरक्षाकर्मियों के भरोसे नजर आ रहा है। नवरात्र जैसे बड़े धार्मिक पर्व पर पुलिस की सक्रियता अपेक्षित है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल मिल सके और यातायात बाधित न हो।

पंडालों में पहुंचे नपाध्यक्ष, व्यवस्था देखकर जताई नाराजगी

नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने बताया कि वे कुछ दिनों पहले ही नगर के कुछ दुर्गा पंडालों में दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था को पूरी तरह शून्य बताया। स्थिति को देखते हुए उन्होंने तत्काल



चांपा एसडीओपी को फोन कर व्यवस्था में सुधार लाने के लिए कहा। नपाध्यक्ष की इस प्रतिक्रिया के बाद नगर में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज हो गई है। नवरात्र के दौरान जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित घरों से निकलकर दर्शन करने पहुंच रहे हैं, तब पुलिस की मैदानी सक्रियता और सुरक्षा इंतजामों को लेकर उठ रहे सवाल प्रशासन के लिए गंभीर विषय बन गए हैं।

मां समलेश्वरी मंदिर में भी

व्यवस्था पर नाराजगी- चांपा नगर की कुलदेवी मां समलेश्वरी मंदिर में नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। व्यापारी संघ से जुड़े लोगों का आरोप है कि मंदिर में सुबह और शाम दर्शन के प्रमुख समय पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस जवानों की नियमित तैनाती दिखाई नहीं दे रही है। व्यापारियों का कहना है कि कई दिनों से मंदिर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को

लेकर अपेक्षित पुलिस सक्रियता नजर नहीं आई है। व्यापारियों के अनुसार, त्योहार के दौरान बाजार और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे में पुलिस की नियमित मौजूदगी, पेट्रोलिंग और यातायात नियंत्रण जरूरी है। व्यापारियों ने चिंता जताई कि यदि व्यवस्था समय रहते दुरुस्त नहीं की गई, तो श्रद्धालुओं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना

पड़ सकता है। **जनप्रतिनिधियों, समितियों और व्यापारियों में आक्रोश -** नगर में पुलिस की पेट्रोलिंग और यातायात व्यवस्था को लेकर उठ रही शिकायतें अब केवल दुर्गा उत्सव समितियों तक सीमित नहीं हैं। नगर पालिका अध्यक्ष की नाराजगी के साथ ही समितियों और व्यापारियों की ओर से भी पुलिस की सक्रियता बढ़ाने की मांग सामने आ रही है। लोगों का कहना है कि

प्रमुख पंडालों, मां समलेश्वरी मंदिर, बाजार और भीड़भाड़ वाले चौक-चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाना चाहिए।स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी और एसडीओपी की मैदानी निगरानी को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नवरात्र के शेष दिनों में नियमित पेट्रोलिंग, यातायात नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ठोस इंतजाम किए जाने चाहिए।

अब व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन पर - नवरात्र का पर्व आस्था और उत्साह का प्रतीक है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा एसडीओपी को फोन कर व्यवस्था सुधारने की मांग किए जाने के बाद अब निगाहें पुलिस प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं। सवाल यह है कि जब नगर में जगह-जगह दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, तब सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे? फिलहाल, पुलिस की

पेट्रोलिंग को लेकर उठ रहे सवालों ने नवरात्र के उत्सवी माहौल के बीच नगर की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सक्रियता को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

रोज पैदल मार्च हो रहा है, चारो तरफ पुलिस घूम रही है। मेरे पास जितना बल है उसका मैं उपयोग कर रहा हूँ, 100 बल रहता तो मैं 100 बल लगा देता। मैं क्या कर सकता हूँ पूरा बल नैला पंडाल में झोंक दिया गया है मेरे पास कोई बल ही नहीं आया है। मेरे थाना में जितना बल है मैं सबको लेकर घूम रहा हूँ। अब और मैं क्या कर सकता हूँ आप ही बताओ

कमलेश शण्दे, टीआई चांपा

मैं एसडीओपी और टीआई को तत्काल बोलता हूँ, हमने चांपा में पर्याप्त बल दिया है, वे स्वयं मॉनिटरिंग करेंगे, थाने की बल पूरी तरह नगर में पेट्रोलिंग करता रहे ऐसी व्यवस्था बनाए।

डॉ. यूलैंडन यार्क, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा

छुट्टी पर घर लौट रहे बीजापुर में पदस्थ आरक्षक की सड़क हादसे में मौत, कोण्डागांव में पसरा मातम

कोण्डागांव। छुट्टी लेकर घर लौट रहे एक पुलिस आरक्षक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक जवान बीजापुर जिले के जांगला कैंप में पदस्थ था। घटना बांसकोट चौकी क्षेत्र अंतर्गत हल्दा मोड़ पुल के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम हुयवापारा (कसपुर), थाना बोर्डई, जिला धमतरी निवासी संजय कुमार कुंजाम (पिता कलसी राम कुंजाम, उम्र 33 वर्ष) बीजापुर जिले के जांगला कैंप में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। वे छुट्टी मिलने पर अपनी रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। सफर के दौरान ग्राम बांसकोट के हल्दा मोड़ पुल के पास उनकी बुलेट अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत के



गड्ढे में जा गिरी। हादसे में आरक्षक के दाहिने कंधे, बाएं हाथ की उंगलियों तथा शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों व अन्य वाहन चालकों की मदद से घायल जवान को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) माकड़ी पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को

देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर जांच उपरांत डॉक्टरों ने रात 8रु15 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना प्राणी नारायण सिंह वड़ी द्वारा थाना कोण्डागांव में दी गई। पुलिस ने धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर शव को मरचुरी पर में रखवाया है।

15 किमी दूर कोकोड़ी धान खरीदी केंद्र जाने से परेशान 4 गांवों के किसानों ने बयानार केंद्र से जोड़ने की कलेक्टर से की मांग

कोण्डागांव। धान विक्रय में आ रही परेशानियों को लेकर बयानार क्षेत्र के चार गांवों के किसानों ने आज मंगलवार को दोपहर 2 बजे जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए ग्राम बयानार स्थित धान खरीदी केंद्र से जोड़ने की मांग की है। किसानों ने बताया कि वर्तमान में उन्हें धान बेचने के लिए लगभग 15 किलोमीटर दूर कोकोड़ी धान खरीदी केंद्र जाना पड़ता है। इससे धान परिवहन में अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है और समय की भी बर्बादी होती है। ज्ञापन में ग्राम

कोगेरा, नूंगाली, तेलंगा और कोरहोबेड़ा को बयानार धान खरीदी केंद्र में शामिल करने की मांग की गई है। किसानों का कहना है कि इससे परिवहन दूरी कम होगी और धान विक्रय की प्रक्रिया सुविधाजनक बनेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जनपद सदस्य दसरू राम नेताम, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, पूर्व सरपंच सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने प्रशासन से उनकी समस्या पर शीघ्र विचार कर उचित निर्णय लेने की मांग की है।

मुक्तिधाम की आरक्षित भूमि पर कब्जे की आशंका, ठोठी मड़ानार के ग्रामीणों ने जनदर्शन में कलेक्टर से लगाई गुहार

कोंडागांव। जिले की तहसील कोंडागांव के ग्राम ठोठी मड़ानार में मुक्तिधाम के लिए आरक्षित भूमि को सुरक्षित रखने की मांग ग्रामीणों ने आज मंगलवार को जिला कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर से की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव में मुक्तिधाम के लिए पूर्वजों द्वारा आरक्षित की गई भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा अपने पेट्टे की जमीन बताकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने दोपहर 1:30 बजे मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि मोहकम दास, पिता झाड़ू दास, द्वारा उक्त भूमि को अपने पेट्टे की जमीन बताते हुए विवाद किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, जौपीएस सर्वे के दौरान भी



मुक्तिधाम की भूमि को अपनी बताकर ग्रामवासियों के साथ विवाद किया गया था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि मुक्तिधाम की आरक्षित भूमि पर कब्जा हो गया, तो भविष्य में गांव में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए

स्थान की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि पटवारी को भेजकर भूमि का पुनः स्थल निरीक्षण कराया जाए तथा सार्वजनिक मुक्तिधाम के लिए आरक्षित भूमि को सुरक्षित रखने आवश्यक कार्रवाई की जाए।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 70.77 लाख रुपये की ढगी का मुख्य आरोपी मिनकेतन सिदार गिरफ्तार

रायगढ़। शेयर मार्केट में पैसा निवेश कर कम समय में रकम दोगुनी करने और मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर ग्रामीण महिलाओं से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना रायगढ़ पुलिस ने मुख्य आरोपी मिनकेतन सिदार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को तमनार क्षेत्र में उसके गांव में दबिश देकर पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने महिला आरोपी मेनका सारथी के साथ मिलकर ग्राम जतरी, थाना पुसौर और आसपास के गांवों की महिलाओं को निवेश के नाम पर अपने झांसे में लिया था। इस मामले में कुल 70,77,901 रुपये की राशि प्राप्त किए जाने की शिकायत सामने आई है। आरोपी से अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन और बैंक खाते से संबंधित जानकारी जब्त की गई है। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले के अनुसार, थाना पुसौर क्षेत्र के ग्राम जतरी निवासी हारा बाई निषाद (36 वर्ष) सहित गांव की अन्य महिलाओं ने शिकायत में बताया कि ग्राम जतरी की मेनका सारथी, जिसका विवाह ग्राम बरतुंगा, जिला सक्ती निवासी अश्वय सारथी से हुआ है, अपने मायके आने पर महिलाओं को बताती थी कि वह और उसका पति शेयर मार्केट में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।



उसने महिलाओं को विश्वास में लेकर अपने बताए अनुसार पैसा निवेश करने पर कम समय में मोटा मुनाफा मिलने और रकम दोगुनी होने का भरोसा दिलाया। यहां तक कहा गया कि यदि निवेश की रकम दोगुनी नहीं हुई तो वह और उसका पति अपनी गारंटी पर दोगुनी रकम वापस दिलाएंगे। इस भरोसे में आकर कई महिलाओं ने नकद और ऑनलाइन माध्यम से रकम देना शुरू कर दिया।शिकायत के अनुसार, 6 अप्रैल 2025 से 24 अक्टूबर 2025 के बीच हारा बाई निषाद से 17 लाख 53 हजार रुपये, आरती सिदार से 3 लाख रुपये, अर्निता निषाद से 17 लाख 24 हजार रुपये, दुक्कुंबर यादव से 5 लाख रुपये, सुशीला निषाद से 1 लाख 80 हजार रुपये, मोहनमती सिदार से 3 लाख 30 हजार रुपये, मुन्नी बाई सारथी से 3 लाख 40 हजार रुपये, पुष्पा सिदार से 9 लाख

रुपये, फूलबाई यादव से 3 लाख रुपये और विष्णु प्रिया निषाद से 7 लाख 50 हजार रुपये लिए गए। इनके अतिरिक्त अन्य महिलाओं से भी रकम प्राप्त की गई। इस प्रकार निवेश के नाम पर कुल 70,77,901 रुपये लेने की शिकायत की गई है। शुरुआत में मेनका सारथी द्वारा कुछ निवेशकों को मुनाफे की रकम लौटाकर उनका विश्वास जीता गया, लेकिन बाद में महिलाओं को न तो मुनाफा मिला और न ही उनकी मूल रकम वापस की गई। पीड़ित महिलाओं द्वारा रकम वापस मांगने पर उन्हें पता चला कि उनकी राशि शेयर मार्केट में निवेश करने के बजाय निजी उपयोग में ली गई है। शिकायत के अनुसार, रकम लौटाने से इनकार करने के साथ शिकायत करने पर जेल भिजवाने की धमकी भी दी गई। कुछ महिलाओं ने दूसरे बैंकों से ऋण लेकर रकम निवेश के लिए दी थी और बाद में उन्हें स्वयं ऋण की किस्तें चुकानी पड़ रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते

हुए साइबर थाना पुलिस ने विस्तृत जांच शुरू की। जांच में लेनेदन और घोखारड़ी से जुड़े साक्ष्य सामने आने पर 22 जुलाई को थाना साइबर में धारा 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मेनका सारथी, उसके पति अश्वय सारथी और मीरा सोनवानी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़ित महिलाओं और आरोपियों के बैंक खातों की जानकारी जुटाई। आरोपी महिला के तीन अलग-अलग बैंक खातों में लाखों रुपये के लेनेदन का पता चला। बैंक ट्रान्जेक्शन, पीड़ितों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने जिला सक्ती के ग्राम बरतुंगा में दबिश देकर 6 अक्टूबर को मेनका सारथी को हिरासत में लिया था। पुछताछ में मेनका सारथी ने पुलिस को बताया कि वह पूर्व में रायगढ़ के धिरगपुर क्षेत्र में किराये के मकान में रहती थी, जहां मिनकेतन सिदार से उसकी पहचान हुई थी।

पुछताछ में मुख्य आरोपी मिनकेतन की भीमका सामने आई। आरोप है कि उसी ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों से रकम लेने की योजना बनाई थी। इसके बाद मेनका ने अपने पति अश्वय सारथी और मां मीरा सोनवानी को भी इस गतिविधि में शामिल किया। पुलिस जांच के अनुसार, अश्वय सारथी निवेश पर अधिक मुनाफे का भरोसा दिलाने और रकम के लेनेदन की जानकारी रखने में

भूमिका निभाता था, जबकि मीरा सोनवानी महिलाओं को निवेश के लिए प्रेरित करने तथा नकद रकम लेने और बैंक खातों में जमा कराने में सहयोग करती थी। आरोपियों द्वारा ग्रामीण महिलाओं से प्राप्त रकम को अलग-अलग लोगों के बीच लेनेदन के माध्यम से घुमाया जाता था। शुरुआती दौर में कुछ निवेशकों को मुनाफे और मूलधन की राशि लौटाई गई, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। मेनका सारथी के कब्जे से लेनेदन में प्रयुक्त मोबाइल फोन, तीन बैंक खातों से संबंधित जानकारी और एटीएम कार्ड जब्त किए गए थे। इसके बाद पुलिस पार आरोपियों की तलाश कर रही थी।इसी क्रम में साइबर थाना पुलिस को मुख्य आरोपी मिनकेतन सिदार के संबंध में जानकारी मिली। पुलिस टीम ने तमनार क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को उसके गांव के पास से हिरासत में लिया और पुछताछ के लिए थाना लाया। आरोपी के कब्जे से अपराध में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन जब्त किया गया तथा उसके बैंक खाते से संबंधित जानकारी जुटाई गई। अपराध में संलिप्तता के साक्ष्य मिलने पर तमनार पुलिस ने आरोपी मिनकेतन सिदार पिता ब्रह्मा सिदार उम्र 40 साल निवासी ग्राम आमगांव थाना तमनार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है।

गांजा तस्करी के फरार आरोपी जफर खान को चक्रधरनगर पुलिस ने तमनार के ग्राम बिजना से किया गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ पुलिस द्वारा फरार आरोपियों फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे आपरेशन क्लीन हंट के तहत चक्रधरनगर पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में फरार आरोपी जफर खान (55 वर्ष), निवासी ग्राम बिजना, थाना तमनार, जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर ओडिशा से गांजा लाकर रायगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में बिक्री करने तथा पूर्व में गिरफ्तार अपनी बहन रशीदन खान और उसके बेटे शेख नसीब को गांजा उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जानकारी के अनुसार, 17 सितंबर को चक्रधरनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम लामीडरहा के सड़कपारा स्थित एक किराना दुकान में तमनार खान और उसका बेटा शेख नसीब गांजे की पुड़िया बनाकर अवैध रूप से बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी, जहां रशीदन खान (57 वर्ष) और शेख नसीब (27 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम लामीडरहा, थाना चक्रधरनगर, जिला रायगढ़, मिले। विधिवत तलाशी के दौरान रशीदन खान के कब्जे से गांजे से पर 10 कागज की पुड़िया तथा शेख नसीब के कब्जे से एक प्लास्टिक पत्ती में रखा गांजा बरामद किया गया। कुल बरामदगी लगभग 1 किलो 28 ग्राम गांजा बताई गई है। इस मामले में थाना



चक्रधरनगर में धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। पुछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया था कि ग्राम बिजना के पटनपारा निवासी जफर खान 15 सितंबर को मोटरसाइकिल से एक किलो से अधिक गांजा लेकर किराना दुकान पहुंचा था और उसे 10 हजार रुपये में बेचकर गया था। इसके बाद गांजे की पुड़िया बनाकर प्रत्येक पुड़िया 50 रुपये में बेचने की बात सामने आई थी। मामले में जफर खान की संलिप्तता सामने आने के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।आपरेशन क्लीन हंट के तहत थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक राकेश मिश्रा ने फरार आरोपी की पतासाजी के लिए मुखबिर सक्रिय किए। इसी दौरान आरोपी के अपने गांव में छिपकर आने

की सूचना मिली। सूचना पर उस निरीक्षक गेंदलाल सहू और आरक्षक विक्रम कुंजूर को गिरफ्तारी के लिए तमनार खाना किया गया। तमनार पुलिस के सहयोग से संयुक्त टीम ने ग्राम बिजना में दबिश देकर जफर खान को हिरासत में लिया और थाना चक्रधरनगर लाया। आरोपी जफर खान ने पुछताछ में स्वीकार किया कि रशीदन खान उसकी बहन है और वह पहले भी उसे गांजा बिक्री के लिए दे चुका है। आरोपी ने 15 सितंबर को रशीदन खान और उसके बेटे शेख नसीब को 10 हजार रुपये में गांजा बेचने की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर गांजा तस्करी में प्रयुक्त बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल जब्त की है। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

दहिकोंगा के पास दो बाइकों की आग्ने-सामने टक्कर, दो युवकों की मौत, तीन घायल

कोण्डागांव। सिटी कोतवाली कोण्डागांव अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 पर दहिकोंगा के पास दो बाइकों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान काकड़बेड़ा निवासी आयतु राम मंडवी (25) पिता मंगलू राम मंडवी और नारायणपुर जिले के सुलेगा निवासी अमित बेसरा (18) पिता गुरमीत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आयतु राम मंडवी अपने साथ सोनवती करणप पिता मंचू निवासी लोहड़गुड़ा क्षेत्र और कुंडुम निवासी



एरमुंड निवासी लोहड़गुड़ा क्षेत्र के साथ अपने गांव काकड़बेड़ा लौट रहे थे। वहीं, नारायणपुर जिले के

कोलियाभाट निवासी मोहन नेताम (17) पिता नरसू नेताम अपने साथी अमित बेसरा के साथ नारायणपुर से

बेहड़ा जा रहे थे। इसी दौरान दहिकोंगा के पास दोनों बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे के बाद घायलों को जिला अस्पताल कोंडागांव लाया गया। जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. सोनाली मिश्रा ने बताया कि हादसे में गंभीर हालत में पांच लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर है, जबकि दो अन्य का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि घायलों को सिर में चोट आई है। सीटी स्कैन के बाद उनकी आगे की स्थिति और उपचार के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

भाजपा राज में गरीब परेशान, पूंजीपतियों पर मेहरबानी का आरोप: शाखा यादव

रायगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष शाखा यादव ने भाजपा सरकार पर गरीबों, मध्यमवर्गीय परिवारों और जरूरतमंदों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्य और योजनाओं का प्रचार कर रही है, लेकिन दूसरी ओर आम लोगों को पेंशन, राशनकार्ड और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि सरकार के कामकाज का आकलन विज्ञापनों और भाषणों से नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन में आए बदलाव से होना चाहिए। शाखा यादव के मुताबिक, विधवा, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन पिछले तीन महीने से लंबित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने इसका कारण केन्द्र सरकार से मिलने वाली 500 रुपये की

राशि का आवंटन रुकना बताया। यादव ने कहा कि पेंशन पर निर्भर लोगों के लिए यह राशि भोजन, दवा और रोजमर्रा की जरूरतों का सहारा होती है। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले भी करीब नौ महीने तक पेंशन लंबित रहने की स्थिति बनी थी। उस समय कांग्रेस ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और बाद में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक के निवास कार्यालय का घेराव किया था, जिसके बाद पेंशन बहाल हुई थी। कांग्रेस नेता ने राशनकार्ड बनाने और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को भी जटिल बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीपीएल पात्रता के लिए निर्धारित मापदंडों के कारण जरूरतमंद परिवारों के नाम सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यादव ने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राशनकार्ड और इलाज संबंधी सुविधाएं सहजता से मिलनी चाहिए। उन्होंने बीपीएल और एपीएल कार्डधारकों को मिलने वाली उपचार सहायता में अंतर का मुद्दा उठाते हुए पात्र परिवारों की स्थिति की समीक्षा की मांग की। बिजली बिल को लेकर भी यादव ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब दस हजार रुपये तक का बकाया होने पर गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट जाने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने मांग की कि आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए स्वेचननुदान राशि का पारदर्शी तरीके से उपयोग किया जाए, ताकि आर्थिक कठिनाई के कारण परिवारों को बिजली से वंचित न होना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

सात फेरे नहीं होने के आधार पर शादी रद्द कराने की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने समझाया कानून

बिलासपुर। फेसबुक पर दोस्ती के बाद मंदिर में हुई शादी में सप्तपदी यानी अग्नि के समक्ष सात कदम लेने की रस्म नहीं होने का हवाला देकर विवाह को शून्य घोषित कराने की मांग करने वाले युवक को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत विवाह को शून्य घोषित करने के आधार सीमित हैं। केवल विवाह की रस्मों को लेकर विवाद के आधार पर इस धारा के तहत विवाह को अमान्य घोषित नहीं किया जा सकता। जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू और जस्टिस सुषमा सावंत की पीठ ने मामले में फैमिली कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया, लेकिन युवक की मूल याचिका भी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि फैमिली कोर्ट ने आवेदन की कानूनी खोजाया पर विचार करने के बजाय विवाह की रस्मों और उसकी वैधता के प्रश्न पर निर्णय दिया था। मामला जांजगीर-चांपा जिले के रहौद में रहने वाले युवक और युवती से जुड़ा है। दोनों की मुलाकात फेसबुक के माध्यम से हुई थी, जिसके बाद उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित हुए और विवाह की बात आगे बढ़ी। युवक के अनुसार, उसने युवती के परिजनों से मुलाकात के दौरान पहले अपने परिवार की सहमति लेने की बात कही थी। युवक ने आरोप लगाया कि 3 फरवरी 2022 को उसे युवती के घर बुलाया गया और शादी के लिए दबाव बनाया गया। उसने यह भी दावा किया कि आपराधिक मामले में पंजाने की धमकी देकर विवाह संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। इसके बाद चिरमिरी स्थित शिव मंदिर में जल्दबाजी में शादी कराई गई। युवक का कहना था कि विवाह के दौरान हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सप्तपदी की रस्म नहीं हुई, इसलिए विवाह को कानूनी रूप से शून्य घोषित किया जाना चाहिए। इसी आधार पर उसने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी।

दूसरे दिवस की रामलीला के प्रमुख आकर्षक रहे हनुमान अंश मूवी के नायक श्री शोभिनव सत्य

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित की जा रही रामलीला के दूसरी दिवस रामलीला के प्रमुख आकर्षक हनुमान अंश मूवी के नायक शोभिनव सत्य रहें। उन्होंने मंच पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुये ब्रह्मालुजनों, उपस्थित नागरिकों को आशीर्वाचन दिया। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने श्रीरामलला जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर व पूजा अर्चना कर रामलीला का पुारंभ करया। इस अवसर पर महापौर संजुदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, श्री जुझुवन सिंह ठाकुर, चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, डॉ.राजीव सिंह सहित मेयर इन कार्डोसिल के सदस्यगण, पाण्डे व एल्डरमेनगण विशेष रूप से उपस्थित थे।नगर पालिक निगम द्वारा 15 अक्टूबर से 06 दिवसीय रामलीला का आयोजन घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिवस आज हनुमान अंश मूवी में बाबा नीब करौली के किरदार को निभाने वाले नायक श्री शोभिनव सत्य ने अपनी गरिमामय पूर्ण उपस्थित मंच को प्रदान की। इस मौके पर श्रीसीता राम के साथ अपने उद्घोघन की शुरुआत करते हुये श्री शोभिनव सत्य ने कहा कि मैं पहले कुछ नहीं था, जो भी किया वह सब हनुमान जी ने किया, नीब करौली बाबा ने किया। उन्होंने बाबा नीब करौली का संदेश देते हुये कहा कि बाबा तीन शिक्षाएं देते थे, उनको पहली शिक्षा थी कि सबसे प्रेम करें व उनकी सेवा करो, दूसरी शिक्षा थी भूखे को भोजन अवश्य कराओ तथा तीसरी शिक्षा थी राम का नाम लो।

सिनेमा जगत में हनुमान अंश फेम अभिनेता शोभिनव सत्यजी का बरपाली में हुआ भव्य स्वागत

कोरबा। बरपाली में उस समय भक्ति उत्साह का माहौल बन गया जब सिनेमा जगत में हनुमान अंश मूवी में नीम करौरी बाबा की भूमिका से घर-घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता शोभिनव सत्यजी का बरपाली आगमन हुआ। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने ढोल-गाझों और जय श्री राम के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। एक कार्यक्रम में शामिल होने कोरबा जा रहे शोभिनव ग्राम बरपाली पहुंचे थे। उन्होंने बस स्टैंड में नव निर्मित मां मड़वारानी मंदिर में दर्शन किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इसकी खबर मिलते ही नगर के मुख्य चैक से लेकर कार्यक्रम स्थल तक बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। युवाओं में उनके साथ सेल्फी और फोटो लेने की होड़ लगी रही। स्वागत के दौरान स्थानीय समिति द्वारा उन्हें पुष्पमाला पहनाकर और श्रीपत्र व शाल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेता ने कहा कि बरपाली के लोगों ने जो प्यार और सम्मान दिया है, वो कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि बजरंगबली की कृपा से ही उन्हें ये किरदार निभाने का मौका मिला और आज जो भी पहचान है वो हनुमान जी के आशीर्वाद से है। उन्होंने सभी को नवरात्रि और दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए जय सीताराम के उद्घोष के साथ भक्तों से सनतन संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की।

एसईसीएल अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का सफल समापन,जमुना कोतमा बनी विजेता.....

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय की मेजबानी में स्व. श्री बी.आर. यादव अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैदान, बहतराई में 14 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित एसईसीएल अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का आज उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ सफल समापन हुआ। प्रतिযোগिता में एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं इकाइयों की 16 टीमों ने भाग लिया। फइनल मुकाबले में जमुना कोतमा ने सोहागपुर को 13-0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सोहागपुर उपविजेता रहा। वहीं, प्रातः खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में गेवरा ने रायगढ़ को पराजित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन एवं निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री रमेश चंद्र महापात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीम को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री हरीश दुहन ने कहा कि

खेल अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व एवं आपसी समन्वय को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। एसईसीएल कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए

खेल अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व एवं आपसी समन्वय को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। एसईसीएल कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए

कलेक्टर ने आश्रम, आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

बच्चों की शिक्षा,पोषण एवं सुविधाओं का लिया जायजा

- आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों से किया संवाद, खेल-खेल में परखी सीखने और पहचानने की क्षमता
- अव्यवस्थाओं पर कलेक्टर सख्त, जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस के दिए निर्देश

सूरजपुर संवाददाता। शैक्षणिक व्यवस्थाएं परखने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रेमनगर विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में साफ-सफाई एवं रखरखाव की कमियाँ, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की कम उपस्थिति तथा नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन की गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जवाबदेही



तय करते हुए मंडल संयोजक, सुपरवाइजर, सीडीपीओ एवं निर्माण कार्य से संबंधित जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कमियों को तत्काल दूर कर बच्चों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विकासखंड प्रेमनगर अंतर्गत आदिवासी बालक आश्रम का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा

लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में साफ-सफाई, रखरखाव एवं बुनियादी सुविधाओं में कमियां पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आश्रम के जीर्णोद्धार कार्य का भी अवलोकन किया। आश्रम की स्थिति एवं रखरखाव में लापरवाही पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडल संयोजक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही आश्रम में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, रसोईघर एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, परिसर की रंगाई-पुताई तथा आवश्यक मरम्मत कार्य कराकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रेमनगर विकासखंड के सेक्टर बकिरमा के आंगनबाड़ी केन्द्र सलेहपारा महोरा और नवनिर्माण आंगनबाड़ी केंद्र महुआरीपारा का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र के बच्चों से संवाद किया और बच्चों से बाह्य खड़ी, अंग्रेजी की वर्णमाला के बारे में पूछा।

108 संजीवनी एक्सप्रेस ने बचाई 29 दिन के नवजात की जान.....

- वेंटिलेटर सपोर्ट और रास्ते भर सीपीआर देते हुए सूरजपुर से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया

सूरजपुर संवाददाता। संजीवनी 108 एम्बुलेंस सेवा के आपातकालीन स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी त्वरित कार्यशैली और चिकित्सकीय सुझबूझ से एक बार फिर जीवनरक्षा की मिसाल पेश की है। सूरजपुर जिला अस्पताल से अत्यंत गंभीर स्थिति में रेफर किए गए महज 29 दिन के नवजात शिशु को 108 की टीम ने पूरे रास्ते आवश्यक लाइफ सपोर्ट देते हुए सुरक्षित मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, इंद्रकुंवर के 29 दिवसीय नवजात को दौरे आने और सांस लेने में भारी तकलीफ होने के चलते सूरजपुर अस्पताल लाया गया था। शिशु की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल उच्च स्तरीय उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर करने का निर्णय लिया। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस में तैनात ईएमटी संतोष कुमार सिंह और पायलट फिरोज अंसारी ने मोर्चा संभाला। रास्ते में



शिशु की स्थिति अत्यधिक गंभीर होने पर ईआरसीपी डॉ. जितेंद्र के ऑनलाइन चिकित्सकीय मार्गदर्शन में नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया तथा पूरे सफर के दौरान सीपीआर व सक्शन की प्रक्रिया निरंतर जारी रखी गई। पायलट फिरोज अंसारी की सुझबूझ और नियंत्रित ड्राइविंग की मदद से गंभीर मरीज को बिना किसी देरी के सुरक्षित मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर पहुंचाया गया, जहां उसे तुरंत गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।

शासकीय उद्यान रोपणी लालपुर में... एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण संपन्न

- 60 कृषकों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सीखी आधुनिक उद्यानिकी तकनीकें

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राज्य पोषित योजना के तहत उद्यानिकी विभाग द्वारा शासकीय उद्यान रोपणी लालपुर, विकासखंड गौरेला में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक संचालक उद्यानिकी डॉ. कमलेश दीवान के मार्गदर्शन में बीते शुक्रवार को आयोजित प्रशिक्षण में 60 कृषकों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक उद्यानिकी



तकनीकों को बढ़ावा देकर उत्पादन लागत कम करना, फसलों की गुणवत्ता बढ़ाना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना रहा। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चार सत्रों में आयोजित प्रशिक्षण में वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी अर्जुन सिंह मरावी ने ड्रिप सिंचाई, मल्टिप्लिंग, उन्नत सब्जी उत्पादन तथा जल संरक्षण की तकनीकों की

जानकारी दी। उद्यान प्रभारी ठाकुर मुकुंद माधव सिंह ने कोकोपीट एवं खाद के मिश्रण से गुणवत्तायुक्त पौध (थरहा) तैयार करने तथा फसलों में रोग एवं कीट प्रबंधन के वैज्ञानिक उपाय बताए। प्रशिक्षण के दौरान आम के पौधों में ग्राफ्टिंग (कलम बांधना) तथा लीची एवं नींबू के पौधों में गुटी बांधने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

प्रतिभागियों ने स्वयं इन तकनीकों का अभ्यास भी किया। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में मशरूम उत्पादन, अतिरिक्त आय के अवसरों तथा उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। एआईसी के जिला समन्वयक विमल चौधरी ने उद्यानिकी फसलों के बीमा, फसल जोखिम से सुरक्षा एवं बीमा योजनाओं के लाभों की जानकारी देते हुए पात्र कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कृषि स्थायी समिति गौरेला की सभापति श्रीमती सीता मुकेश सोनवानी, जनपद सदस्य श्रीमती सविता राठौर, ग्राम पंचायत लालपुर की सरपंच श्रीमती इंंदरनिया बाई एवं वरिष्ठ नागरिक पप्पू नरवरिया उपस्थित थे।

मन जागृति अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान का हुआ सम्मान



सूरजपुर संवाददाता। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित मन जागृति अभियान के तहत सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा प्रशांत सिंह के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय सूरजपुर के सभाकक्ष में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं सहयोगी संस्था सम्मान समारोह आयोजित किया गया था कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डा अजय मरकाम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा राजेश पैकरा तथा मनोरोग विशेषज्ञ डा अंकित शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व,समय पर उपचार, परामर्श सेवाओं कि उपलब्धता एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े भ्रांतियों को दूर करने हेतु अपने अपने विचार व्यक्त किए।इस दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा छग को सूरजपुर से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहू और स्नेह संबल वृद्धाश्रम तिलसुवा सूरजपुर के अधिक्षक पायल गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान को पुर्व में उल्लेखनीय समाज सेवा के लिए अनेकों पुरस्कार प्रदान किया गया है।

शालीनता तथा निर्णयों में विवेक बनाए रखने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि श्री बिच्री दास द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मा.सं./सुरक्षा) श्री सुवंकर पर्रिड़, महाप्रबंधक (एच.आर.डी.) श्री बी.सी. सेठी, सुरक्षा प्रमुख लोफ्टिन्टेंट कमांडर बी. दक्षिणामूर्ति, अधिकारी, प्रशिक्षक एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

मां सिद्धिदात्री को क्या भोग लगाना चाहिए?

नवरात्रि के नौवें दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा करते समय उन्हें विशेष भोग अर्पित करने का महत्व होता है। मान्यता है कि यदि श्रद्धा और सच्चे भाव से भोग लगाया जाए तो माँ अत्यंत प्रसन्न होकर अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। माँ सिद्धिदात्री को मौसमी फल अर्पित करना बहुत शुभ माना जाता है। साथ ही उन्हें चना, पुड़ी, हलवा, खीर और नारियल का भोग विशेष रूप से प्रिय है।



इन सात्विक व्यंजनों को शुद्ध भाव से अर्पित करने पर भक्त के सभी कष्ट दूर होते हैं और कार्य सिद्ध होने लगते हैं।

माँ सिद्धिदात्री को पसंदीदा भोग लगाने का महत्व

- माँ सिद्धिदात्री की कृपा प्राप्ति नवरात्रि की नवमी तिथि पर माँ सिद्धिदात्री की पूजा और उन्हें प्रिय भोग अर्पित करने से भक्त को देवी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। भोग लगाने का अर्थ केवल भोजन चढ़ाना ही नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और भक्ति का भाव प्रकट करना है। जब साधक सच्चे मन से भोग अर्पित करता है, तो माँ उसके जीवन के कष्ट दूर करती हैं और उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।
- सफलता और कार्य सिद्धि माँ सिद्धिदात्री को चना, हलवा, खीर, पुड़ी, नारियल और मौसमी फल अत्यंत प्रिय माने जाते हैं। इन व्यंजनों का भोग लगाने से साधक के सभी अधूरे कार्य पूरे होने लगते हैं। माना जाता है कि माँ की आराधना और भोग के प्रभाव से जीवन की रुकावटें दूर होती हैं और हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है।
- मोक्ष और आध्यात्मिक लाभ माँ सिद्धिदात्री का स्वरूप सिद्धियों और मोक्ष का मार्ग दिखाने वाला है। जब भक्त उनके प्रिय भोग अर्पित करता है, तो न केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है, बल्कि उस आध्यात्मिक शांति और मोक्ष का मार्ग भी मिलता है। यह साधक को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर आत्मिक संतोष प्रदान करता है।

माँ सिद्धिदात्री को भोग लगाने की विधि और लाभ

- पूजा की तैयारी:** सबसे पहले पूजा स्थल को स्वच्छ करें और माँ सिद्धिदात्री की प्रतिमा या चित्र को फूलों और मालाओं से सजाएं। दीपक जलाएं और घूप प्रज्वलित करें।
- भोग बनाना:** माँ को प्रिय चना, पुड़ी, हलवा, खीर, नारियल और मौसमी फल सात्विक तरीके से तैयार करें। भोजन बनाते समय शुद्धता और श्रद्धा का विशेष ध्यान रखें।
- अर्पण प्रक्रिया:** पूजा के दौरान जल, अन्न, रोली और पुष्प चढ़ाने के बाद भोग अर्पित करें। भोग पहले देवी को समर्पित करें और उसके बाद परिवार तथा भक्तजन प्रसाद के रूप में ग्रहण करें।
- प्रिय रंग का महत्व:** माँ सिद्धिदात्री को सफेद और बैंगनी रंग विशेष रूप से प्रिय हैं। इसलिए महानवमी पर इन रंगों के वस्त्र पहनकर पूजा और भोग अर्पण करना अत्यंत शुभ माना जाता है।
- मंत्र और प्रार्थना:** भोग लगाते समय माँ के मंत्रों का जप करें और सच्चे मन से आशीर्वाद की प्रार्थना करें। इससे भक्त और देवी के बीच भक्ति का गहरा संबंध स्थापित होता है।

आज का राशिफल

मेघ राशि - मेघ राशि वालों के लिए कल का दिन अगर आप अतिवर्धित है, तो विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है. परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन भी हो सकता है.परिवार के साथ घूमने-फिरने और मनोरंजन का मौका मिलेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ सकता है.पारिवारिक जीवन की दिक्कतें दूर होंगी। आज आप फैमिली के साथ ट्रिप का प्लान बना सकते हैं।

वृषभ राशि -वृषभ राशि वालों को विरोधियों पर जीत मिलेगी. सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और उद्योग-धंधे में सफलता मिलने के योग हैं. व्यापार में विस्तार होगा। प्रेम जीवन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। स्टूडेंट्स को तनाव महसूस हो सकता है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। मानसिक शांति भी मिलेगी. कर्क राशि वाले आज यात्रा पर जा सकते हैं। अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल के दिन आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है. निर्माण से जुड़े कामों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा. संतान की ओर से सुख मिलेगा. सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं. मानसिक शांति भी मिलेगी. कर्क राशि वाले आज यात्रा पर जा सकते हैं। अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों को कल किसी अच्छी खबर से मन खुश हो सकता है. जरूरी काम पूरे करने के लिए धैर्य और आत्मनिश्चय बनाए रखें. घर में चल रहे विवाद सुलझाएं। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं। अपने करियर गोलस पर फोकस करें। रिश्तानाशिष की दिक्कतों को बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास करें। इस समय निवेश न करें। आर्थिक स्थिति भी आज अच्छी नहीं कही जा सकती है।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए कल सामाजिक जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे और मन को शांति मिलेगी. विरोधियों पर भी बढ़त बना सकते हैं.मन को शांत रखें। अशांति महसूस हो सकती है। करियर को लेकर मन चिंतित रहेगा। निवेश के नए मौकों पर नजर रखें। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की प्रॉब्लम को सुलझाने के लिए परिजनों से सुझाव लें।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों को कल पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें. बेवजह भागदौड़ और पारिवारिक तनाव से मानसिक परेशानी बढ़ सकती है. शांत रहकर फैसले लेना बेहतर होगा. किसी भी फैसले से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें.दान-पुण्य के कार्यों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में दिलचस्पी बढ़ेगी। व्यापार में विस्तार होगा। प्रेम जीवन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। स्टूडेंट्स को तनाव महसूस हो सकता है।

तुला राशि- तुला राशि वालों को सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आश्चर्य प्रभाव बढ़ेगा. संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है.परीक्षा या प्रतियोगिता में सफलता मिलने के संकेत हैं. दिन का ज्यादातर समय खुशियों के बीच बीतेगा.घर में चल रहे विवाद सुलझाएं। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं। अपने करियर गोलस पर फोकस करें।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए कल का दिन सरकारी पक्ष से सहयोग मिल सकता है. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यक्तित्व में निखार आएगा. कामकाज में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं. किसी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है.आज आप फैमिली के साथ ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। लव लाइफ में खुशनुमा माहौल रहेगा।

धनु राशि - धनु राशि वालों के लिए कल नौकरी या रोजगार पाने की दिशा में की जा रही कोशिशों को सफलता मिल सकती है. संगठन में आपकी स्थिति मजबूत होगी.दूर रहने वाले किसी व्यक्ति से कोई महत्वपूर्ण खबर मिल सकती है. पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। ऑफिस में खुब मान-सम्मान मिलेगा। स्टूडेंट्स को शैक्षिक कार्यों में अपार सफलता मिलेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए वाहन सुख मिल सकता है और व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक रहेगी. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न होगा. अचानक घन लाभ होने की संभावना भी है.अपनी सेहत का ध्यान रखें. घर में चल रहे विवाद सुलझाएं। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और पुरानी गलती को दोबारा न दोहराएं। अपने करियर गोलस पर फोकस करें।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए सरकारी सेवा से जुड़े लोगों का तवाबदा होने की संभावना है. आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है. विरोधियों पर जीत मिलने के योग हैं. आर्थिक परेशानी का हल निकलने की उम्मीद है.अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना होगा। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। अपनी डाइट में प्रोटीन और विटामिन्स से भरपूर फूड शामिल करें।

मीन राशि -मीन राशि वालों को कल जमीन, मकान और वाहन से जुड़े कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है. परिवार और करीबी लोगों का सहयोग मिलेगा.कारोबार सामान्य रहेगा. रिश्तों में बातचीत और धैर्य बनाए रखें.आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर के छोटे भाई-बहन करियर में उई उपलब्धि हासिल करेंगे। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। ऑफिस में खुब मान-सम्मान मिलेगा। स्टूडेंट्स को शैक्षिक कार्यों में अपार सफलता मिलेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा।

शारदीय नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व जारी है। यह समय मां दुर्गा की आराधना, पूजा-पाठ और साधना के साथ-साथ मन को शांत रखने, धैर्य बनाए रखने और कोष का त्याग करने के लिए भी विशेष माना जाता है। नवरात्रि के इन नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखते हैं और विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान कुछ विशेष नियमों का पालन करने से घर में सुख-शांति और सकारात्मकता बनी रहती है। यही वजह है कि नवरात्रि के दौरान खानपान से लेकर दिनचर्या और व्यवहार तक कई बातों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

मां सिद्धिदात्री व्रत की कथा

पौराणिक मान्यताओं अनुसार एक बार पूरे ब्रह्मांड में अंधकार छा गया था। उस अंधकार में एक छोटी सी किरण प्रकट हुई। धीरे-धीरे यह किरण बड़ी होती गई और फिर इसने एक दिव्य नारी का रूप धारण कर

नौवें दिन कौन से रंग के कपड़े पहनें?

नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की आराधना की जाती है। इस दिन मोरपंखी रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना गया है। मोरपंखी रंग नीले और हरे रंग के मेल से बनता है। धार्मिक मान्यताओं में इसे विशिष्टता, संतुलन और सफलता का प्रतीक माना जाता है।

मां सिद्धिदात्री को धार्मिक परंपराओं में सिद्धियों की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। नवमी के दिन भक्त उनसे ज्ञान, कल्याण और जीवन में शुभता की प्रार्थना करते हैं। आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्रि श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इन नौ दिनों में भक्त देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं, व्रत रखते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। नवरात्रि में पूजा-पाठ के साथ वस्त्रों के रंगों का भी विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में प्रत्येक दिन के लिए एक शुभ रंग बताया जाता है। मान्यता है कि इन रंगों के माध्यम से देवी के सर्वांगीण स्वरूप के गुणों और प्रतीकात्मक शक्तियों का स्मरण किया जाता है। ज्योतिष



लिया। मां सिद्धिदात्री ने प्रकट होकर त्रिदेव अर्थात् ब्रह्मा, विष्णु, और महेश को जन्म दिया। इन्होंने देवी मां की शिव जी ने आराधना की। देवी ने उन्हें सिद्धियां प्रदान की। इसी कारण देवी मां भगवती का नौवां स्वरूप मां सिद्धिदात्री कहाला। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार जब सभी देवी देवता महिषासुर के अत्याचार से परेशान हो गए थे तब सभी देवताओं ने त्रिदेवों की शरण ली और फिर तीनों देवों (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) ने अपने तेज से मां सिद्धिदात्री को जन्म दिया था। इसके बाद सभी देवताओं ने इन्हें अपने शस्त्र प्रदान किए और माता ने महिषासुर से युद्धकर उसका अंत कर दिया।

नवरात्रि में रंगों का धार्मिक महत्व

नवरात्रि के रंग विभिन्न धार्मिक परंपराओं और पंचांग-आधारित सुविधों में अलग-अलग भी हो सकते हैं। यहां दिए गए रंग विशेषज्ञ मान्या द्वारा बताई गई परंपरा के अनुसार हैं। रंग पहनना आस्था और व्यक्तिगत पसंद का विषय है, पूजा की अनिवार्य शर्त नहीं।

एवं वास्तु विशेषज्ञ मान्या के अनुसार, नवरात्रि में नारंगी, सफेद, लाल, गहरा नीला, पीला, हरा, ग्रे, बैंगनी और मोरपंखी रंग का विशेष महत्व है। आइए जानते हैं नौ दिनों के लिए बताए गए इन रंगों की पूरी जानकारी। शारदीय नवरात्रि 2026 के नौवें दिन (महानवमी) से जुड़ी जानकारी इस प्रकार है: तिथि: 19 अक्टूबर 2026 (सोमवार) देवी: मां सिद्धिदात्री शुभ रंग: मोरपंखी हरा है। महत्व: मां सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां और अंतिम स्वरूप हैं, जो भक्तों को सभी प्रकार की सिद्धियां और ज्ञान प्रदान करती हैं। रंग का अर्थ: मोरपंखी हरा रंग समृद्धि, संतुलन, ताजगी और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। तिथि एवं मुहूर्त: पंचांग के अनुसार, नवमी तिथि



19 अक्टूबर 2026 को सुबह लगभग 10:51 बजे से शुरू होकर 20 अक्टूबर को दोपहर 12:50 बजे तक रहेगी। कुछ क्षेत्रों और परंपराओं में महानवमी की पूजा 19 अक्टूबर को ही की जाती है, जबकि कुछ स्थानों पर इसका समापन 20 अक्टूबर को होता है।

खिचड़ी हो या खीर, कितने घंटे भिगोना चाहिए

नवरात्रि के व्रत में साबुदाना खूब खाया जाता है। इससे खीर, कटलेट, वड़ा और खिचड़ी जैसी कई डिशें बनती हैं, जिनमें लोग खूब पसंद करते हैं। हालांकि साबुदाना की एक गलती पूरी डिश का स्वाद बिगाड़ सकती है। आपने देखा होगा कि कई बार साबुदाना बहुत ज्यादा चिपचिपा हो जाता है या अंदर से हार्ड रह जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह साबुदाना को ठीक से ना भिगोना होती है। कोई भी डिश बनाने से पहले साबुदाना को कुछ घंटों के लिए भिगोकर रखना होता है। इस दौरान पानी की मात्रा का ध्यान रखना भी जरूरी होता है। कई लोगों से यही गलती होती है, जिस वजह से साबुदाना खिला-खिला नहीं बन पाता है। तो चलिए आज जानते हैं कि इसे कितने घंटे भिगोकर रखना चाहिए और सही तरीका क्या है।



साबुदाना कितने घंटे भिगोना चाहिए?

साबुदाने की खिचड़ी या कोई भी अन्य डिश बनाने से पहले इसे भिगोकर रखना बहुत जरूरी होता है। कम से कम 5-6 घंटे इसके लिए पर्याप्त होते हैं। आप चाहें तो रातभर के लिए भी इन्हें भिगोकर रख सकते हैं। छोटे साइज का साबुदाना थोड़ा जल्दी फूल सकता है, वहीं बड़े साइज का साबुदाना कुछ घंटे ज्यादा ले सकता है। इसे चेक करने के लिए एक दाने को दबाकर देखें। अच्छी तरह से भीगा साबुदाना दबाने पर आसानी से नर्म हो जाता है।

साबुदाना भिगोने का सही तरीका क्या है?

स्टेप 1- साबुदाना को अच्छी तरह धोना जरूरी है
साबुदाना को सीधा भिगोकर नहीं रखना चाहिए। इसे पहले अच्छे से धोना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए साबुदाना को एक बर्तन में लें और 2-3 बार साफ पानी की मदद से अच्छी तरह धोएं। इससे सारी घूल मिथी भी निकल जाती है और एकस्ट्रा स्टार्च निकलने में भी मदद मिलती है।
स्टेप 2- सही मात्रा में डालें पानी
साबुदाना को भिगोने के लिए सही मात्रा में पानी डालना जरूरी है। अक्सर लोग यहीं गलती करते हैं, जिस वजह से या तो साबुदाना ज्यादा फूल जाता है या कच्चा रह जाता है। इसके लिए आप जिस कटोरी से साबुदाना ले रहे हैं, उसी के माप से आधी कटोरी पानी डालें या फिर इतना पानी डो कि साबुदाना अच्छे से भीग जाय और आधा इंच पानी ऊपर तक रहे।
स्टेप 3- भिगोकर रखें साबुदाना
अब बर्तन को ढककर साबुदाना को 5-6 घंटे या रातभर के लिए भिगोकर

रख दें। ये सारे पानी को सोख लेंगे और फूल जाएंगे। अब एक चम्मच की मदद से इन्हें चलाकर देखें, एक-एक दाना अलग-अलग हो जाएगा। इसे आप खिचड़ी, वड़ा, कटलेट या खीर बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। काम की टिप- अगर आपके पास साबुदाना भिगोने के लिए ज्यादा टाइम नहीं है, तो गर्म पानी में इसे भिगोकर रख सकते हैं। पानी इतना गर्म हो कि आप उसे छू सकें। गर्म पानी में साबुदाना जल्दी सॉफ्ट हो जाता है।



सेहत के लिए भी फायदेमंद देसी घी

भारतीय रसोई में देसी घी का इस्तेमाल खूब होता है। ये खाने में सिर्फ स्वाद ही नहीं जोड़ता, बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। बड़े-बुजुर्ग अक्सर रोटी पर या दाल में घी डालकर खाने की सलाह देते हैं। आज मॉडर्न साइंस का भी कहना है कि घी हेल्दी फैट्स का स्रोत है और इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। आमतौर पर मार्केट में दो तरह के घी मिलते हैं, सफेद घी और पीला घी। सफेद घी भैंस के दूध से बनता है, वहीं पीला घी गाय के दूध से बनाया जाता है। अक्सर लोग सवाल करते हैं कि इन दोनों में से कौन सा घी खाना ज्यादा फायदेमंद है। अब हर किसी के लिए इसका जवाब अलग हो सकता है, क्योंकि हमारे शरीर की जरूरतें अलग होती हैं। तो चलिए जानते हैं आपको अपने लिए कौन सा घी चुनना चाहिए।

सफेद घी खाने के क्या फायदे हैं? भैंस के दूध से बने घी का रंग आमतौर पर सफेद होता है। इसमें फैट की मात्रा भी ज्यादा होती है, इसलिए कमजोरी और वजन बढ़ाने के लिए सफेद घी खाने की सलाह दी जाती है। फैट के अलावा सफेद घी में मेग्नीशियम, कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे तत्व भरपूर होते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए फायदेमंद होते हैं।

नवरात्रि के नौवें दिन का महत्व

नवरात्रि के नौवें दिन को माता के सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा करने का विधान है। यह दिन इन्हीं को समर्पित होता है। इसे नवमी या महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन हवन करने और कन्या पूजन का विधान है। सभी भक्तों के जीवन में यह पर्व भक्ति की एक नई तरंग लेकर आता है। इस दौरान भक्त विभिन्न प्रकार से माता के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त

करते हैं। कमल पुष्प पर विराजमान मां सिद्धिदात्री की चार भुजाएं हैं और उनका वाहन सिंह है। देवी जी के सिर पर ऊंचा मुकुट है और उनके चेहरे पर मंद स्मी मुस्कान है। देवी सिद्धिदात्री, सर्व सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं। उपासक या भक्त पर इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से संभव व सिद्ध हो जाते हैं। साथ ही वह हर प्रकार के भय व रोगों को भी दूर करती हैं।

मां सिद्धिदात्री की पूजा विधि

- प्रातः काल की तैयारी**
- महानवमी के दिन सुबह जल्दी स्नान करके बैंगनी या लाल रंग के वस्त्र धारण करें। ये रंग शक्ति और समृद्धि के प्रतीक हैं।
 - पूजा घर में माँ की प्रतिमा के सामने दीप जलाएं और कलश पूजन करें।
 - नवरात्रि के आखिरी दिन घी का दीपक जलाने के साथ-साथ मां

भोजन करवाकर पूर्ण होता है।
इस दिन कन्या पूजन के साथ-साथ कई लोग अपने अस्त्र-शस्त्र, वाहन और व्यावसायिक औजारों की भी पूजा करते हैं।
सभी देवी-देवताओं के साथ माता रानी की आरती उतारें। दुर्गा चालीसा या दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
नवमी तिथि को मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ हवन और कन्या पूजन के कार्य भी शुभ माने जाते हैं।

शारदीय नवरात्रि में कन्या पूजा और भोज के नियम

नवरात्रि में माँ दुर्गा की उपासना के साथ-साथ कन्या पूजन और भोज का अत्यंत विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि का व्रत और पूजन तब तक पूर्ण नहीं माना जाता, जब तक कि कन्याओं का पूजन कर उन्हें आदरपूर्वक भोजन न कराया जाए। इस परंपरा में 9 कन्याओं को देवी का रूप और उनके साथ 1 छोटे बालक (लांगुरिया) को भगवान श्री हनुमानजी का प्रतीक मानकर पूजन व भोजन कराने का विधान है।



कन्या पूजन और भोज के मुख्य नियम

- आमंत्रण:** कन्याओं को एक दिन पूर्व या पूजन वाले दिन उनके घर जाकर सम्मानपूर्वक आमंत्रण देना चाहिए।
कन्याओं की आयु: पूजन के लिए बुलाई जाने वाली कन्याओं की आयु 2 वर्ष से अधिक और 10 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
संख्या: कम से कम 9 कन्याओं और 1 बालक (लांगुरिया) को भोजन अवश्य कराना चाहिए।
सात्विक भोजन: कन्याओं के लिए पूर्णतः सात्विक और मनपसंद भोजन बनाना चाहिए, जैसे-पूरी, हलवा, खीर और काले चने की सब्जी।
भेंट व दक्षिणा: भ्रष्ट भोजन कराने के उपरांत कन्याओं को अपनी सामर्थ्य अनुसार दक्षिणा, वस्त्र या उपहार देकर विदा करें।
सम्मान व स्नेह: पूजन के दौरान कन्याओं के प्रति असीम आदर और स्नेह रखें। उन्हें किसी भी बात से दुखी न करें।

कन्या पूजन और भोज का आयोजन अमूमन उसी दिन किया जाता है जिस दिन आपके घर में नवरात्रि का पारण होता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों व कुलाचार के अनुसार लोग स्वामी, महाअष्टमी या महानवमी के दिन कन्या पूजन संपन्न करते हैं।

कन्या भोज और विदाई की विधि

भोजन परोसना: पूजन के पश्चात सभी कन्याओं और लांगुरिया को पगत में बैठाकर आदरपूर्वक हलवा, पूरी, खीर और चने का प्रसाद परोसे।
भेंट व दक्षिणा: भोजन पूर्ण होने पर उनके हाथ धुलवाएं। इसके बाद उन्हें दक्षिणा, रुमाल, चुनरी, फल, कंगन या खिलौने आदि उपहार स्वरूप भेंट करें।
चरण स्पर्श व आशीर्वाद: अंत में सभी कन्याओं और लांगुरिया के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लें। उनके ऊपर अक्षत-पुष्प छिड़ककर उन्हें सारसमान और प्रसन्नतापूर्वक विदा करें।

बिजली के सॉकेट्स प्लानिंग पर ध्यान देना बहुत जरूरी

घर बनवाते समय हम अक्सर दीवारों के रंग, टाइल्स, लाइट्स और फर्नीचर पर खूब ध्यान देते हैं, लेकिन बिजली के सॉकेट्स की प्लानिंग करना भूल जाते हैं। जब घर में रहना शुरू करते हैं, तब कभी मोबाइल चार्ज करने के लिए सॉकेट कम पड़ता है, तो कभी किचन में मिक्सर, माइक्रोवेव और दूसरे अप्लायसेज एक साथ इस्तेमाल करने में परेशानी होती है। ऐसे में एक्सटेंशन बोर्ड लगाने पड़ते हैं और तार भी इधर-उधर बिखरे रहते हैं। अगर आप नया घर बनवा रहे हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करा रहे हैं, तो पहले ही तय कर लें कि बेडरूम और किचन में कितने पावर पॉइंट्स चाहिए और उन्हें कहाँ लगवाना सही रहेगा।



साइज और इस्तेमाल होने वाले सामान पर निर्भर करेगी।
2. बेड के दोनों तरफ सॉकेट्स होने से मोबाइल चार्ज करने या बेडसाइड लैंप लगाने में आसानी रहती है। अगर पति-पत्नी दोनों मोबाइल इस्तेमाल करते हैं, तो दोनों तरफ एक से ज्यादा सॉकेट रखना भी काम आ सकता है। सॉकेट्स की जगह बेड और साइड टेबल की पोजिशन देखकर तय करें, ताकि फर्नीचर रखने के बाद वे छिप न जाएं।
3. एसी और टीवी के लिए अलग प्लानिंग करें अगर बेडरूम में एसी लगवाना है, तो उसकी जगह पहले तय करें। एसी के लिए सही क्षमता वाला अलग पावर पॉइंट और जरूरत के हिसाब से अलग सॉकेट रखें।

बेडरूम:
1. बेडरूम में कितने पावर पॉइंट्स रखें? बेडरूम में मोबाइल चार्ज करने, टेबल लैंप, टीवी और एसी जैसे कई कामों के लिए बिजली के सॉकेट्स चाहिए। एक सामान्य बेडरूम में करीब 4 से 6 सामान्य सॉकेट्स और जरूरत के हिसाब से एसी के लिए अलग पावर पॉइंट रखने की प्लानिंग कर सकते हैं। सही संख्या कमरे के

संक्षिप्त समाचार

सात फेरे नहीं होने के आधार पर शादी रद्द कराने की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने समझाया कानून

बिलासपुर। फेसबुक पर दोस्ती के बाद मंदिर में हुई शादी में सप्तपदी यानी अंगन के समक्ष सात कदम लेने की रस्म नहीं होने का हवाला देकर विवाह को शून्य घोषित कराने की मांग करने वाले युवक को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत विवाह को शून्य घोषित करने के आधार सीमित हैं। केवल विवाह की रस्मों को लेकर विवाद के आधार पर इस धारा के तहत विवाह को अमान्य घोषित नहीं किया जा सकता। जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू और जस्टिस सुषमा सावंत की पीठ ने मामले में फैमिली कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया, लेकिन युवक की मूल याचिका भी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि फैमिली कोर्ट ने आवेदन की कानूनी स्वीकार्यता पर विचार करने के बजाय विवाह की रस्मों और उसकी वैधता के प्रश्न पर निर्णय दिया था। मामला जांजगीर-चांपा जिले के रहौद में रहने वाले युवक और युवती से जुड़ा है। दोनों की मुलाकात फेसबुक के माध्यम से हुई थी, जिसके बाद उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित हुए और विवाह की बात आगे बढ़ी। युवक के अनुसार, उसने युवती के परिवारों से मुलाकात के दौरान पहले अपने परिवार को सहमत लेने की बात कही थी। युवक ने आरोप लगाया कि 3 फरवरी 2022 को उसे युवती के घर बुलाया गया और शादी के लिए दबाव बनाया गया। उसने यह भी दावा किया कि अपराधिक मामले में पंखाने की धमकी देकर विवाह संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। इसके बाद चिरमिरी स्थित शिव मंदिर में जल्दबाजी में शादी कराई गई। युवक का कहना था कि विवाह के दौरान हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सप्तपदी की रस्म नहीं हुई, इसलिए विवाह को कानूनी रूप से शून्य घोषित किया जाना चाहिए। इसी आधार पर उसने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी।

दूसरे दिवस की रामलीला के प्रमुख आकर्षक रहे हनुमान अंश मूवी के नायक श्री शोभिनव सत्य

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित की जा रही रामलीला के दूसरी दिवस रामलीला के प्रमुख आकर्षक हनुमान अंश मूवी के नायक शोभिनव सत्य रहें। उन्होंने मंच पर अपनी गरिमायुगी उपस्थिति प्रदान करते हुये श्रद्धालुजनों, उपस्थित नागरिकों को आशीर्वाचन दिया। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने श्रीरामलला जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर व पूजा अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर महापौर संजुदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, श्री जुझुवन सिंह ठाकुर, चन्द्रकिशोर श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, डॉ.राजीव सिंह सहित मेयर इन कार्टसिल के सदस्यगण, पाषंद व एल्डरमेनगण विशेष रूप से उपस्थित थे।नगर पालिक निगम द्वारा 15 अक्टूबर से 06 दिवसीय रामलीला का आयोजन घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिवस आज हनुमान अंश मूवी में बाबा नीब करौली के किरदार को निभाने वाले नायक श्री शोभिनव सत्य ने अपनी गरिमायुग पूर्ण उपस्थित मंच को प्रदान की। इस मौके पर श्रीसीता राम के साथ अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुये श्री शोभिनव सत्य ने कहा कि मैं पहले कुछ नहीं था, जो भी किया वह सब हनुमान जी ने किया, नीब करौली बाबा ने किया। उन्होंने बाबा नीब करौली का संदेश देते हुये कहा कि बाबा तीन शिक्षाएं देते थे, उनकी पहली शिक्षा थी कि सबसे प्रेम करें व उनकी सेवा करो, दूसरी शिक्षा थी भूखे को भोजन अवश्य कराओ तथा तीसरी शिक्षा थी राम का नाम लो।

सिनेमा जगत में हनुमान अंश फेम अभिनेता शोभिनव सत्यजी का बरपाली में हुआ भव्य स्वागत

कोरबा। बरपाली में उस समय भक्ति उत्साह का माहौल बन गया जब सिनेमा जगत में हनुमान अंश मूवी में नीम करौरी बाबा की भूमिका से घर-घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता शोभिनव सत्यजी का बरपाली आगमन हुआ। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने ढोल-नगाड़ों और जय श्री राम के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। एक कार्यक्रम में शामिल होने कोरबा जा रहे शोभिनव ग्राम बरपाली पहुंचे थे। उन्होंने बस स्टैंड में नव निर्मित मां मड़वारानी मंदिर में दर्शन किया और स्थायी लोगों से मुलाकात की। इसकी खबर मिलते ही नगर के मुख्य बैंक से लेकर कार्यक्रम स्थल तक बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। युवाओं में उनके साथ सेल्फी और फोटो लेने की होड़ लगी रही। स्वागत के दौरान स्थानीय समिति द्वारा उन्हें पुष्पमाला पहनाकर और श्रीफल व शाल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेता ने कहा कि बरपाली के लोगों ने जो प्यार और सम्मान दिया है, वो कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि बजरंगबली की कृपा से ही उन्हें ये किरदार निभाने का मौका मिला और आज जो भी पहचान है वो हनुमान जी के आशीर्वाद से है। उन्होंने सभी को नवरात्रि और दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए जय सीताराम के उद्बोध के साथ भक्तों से सनातन संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की।

एसईसीएल अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का सफल समापन,जमुना कोतमा बनी विजेता.....

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय की मेजबानी में स्व. श्री बी.आर. यादव अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैदान, बहतराई में 14 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित एसईसीएल अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का आज उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं इकाइयों की 16 टीमों ने भाग लिया। फ़इनल मुकाबले में जमुना कोतमा ने सोहागपुर को 1डू0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सोहागपुर उपविजेता रहा। वहीं, प्रातः खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में गेवरा ने रायगढ़ को पराजित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन एवं निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री रमेश चंद्र महापात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीम को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री हरीश दुहन ने कहा कि

खेल अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व एवं आपसी समन्वय को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। एसईसीएल कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए

खेल गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। समारोह में सचिव, हॉकी छत्तीसगढ़, अध्यक्ष, हॉकी बिलासपुर, कोल इंडिया वेलफेयर बोर्ड के सदस्य, एसईसीएल संचालन समिति के सदस्य, एसईसीएल कल्याण मंडल, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय जेसीसी सदस्य, क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य तथा विभिन्न कार्टिसिल एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों सहित हॉकी संस्था में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। चार दिनों तक चले इस सफल आयोजन ने एसईसीएल परिवार की एकजुटता, समन्वय एवं खेल संस्कृति को सशक्त करने में प्रदर्शित किया। एसईसीएल परिवार की ओर से प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों एवं खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

कलेक्टर ने आश्रम, आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

बच्चों की शिक्षा,पोषण एवं सुविधाओं का लिया जायजा

- आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों से किया संवाद, खेल-खेल में परखी सीखने और पहचानने की क्षमता
- अव्यवस्थाओं पर कलेक्टर सख्त, जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस के दिए निर्देश



तय करते हुए मंडल संयोजक, सुपरवाइजर, सीडीपीओ एवं निर्माण कार्य से संबंधित जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कमियों को तत्काल दूर कर बच्चों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विकासखंड प्रेमनगर अंतर्गत आदिवासी बालक आश्रम का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा

लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में साफ-सफाई, रखरखाव एवं बुनियादी सुविधाओं में कमियां पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आश्रम के जीर्णोद्धार कार्य का भी अवलोकन किया। आश्रम की स्थिति एवं रखरखाव में लापरवाही पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडल संयोजक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही आश्रम में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, रसोईघर एवं शौचालयों की निर्धारित साफ-सफाई, परिसर की रंगाई-पुताई तथा आवश्यक मरम्मत कार्य कराकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रेमनगर विकासखंड के सेक्टर बकिरमा के आंगनबाड़ी केन्द्र सतेहपारा महोरा और नवनिर्माण आंगनबाड़ी केंद्र महुआरीपारा का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र के बच्चों से संवाद किया और बच्चों से बाह्य खड़ी, अंग्रेजी की वर्णमाला के बारे में पूछा।

108 संजीवनी एक्सप्रेस ने बचाई 29 दिन के नवजात की जान.....

- वेंटिलेटर सपोर्ट और रास्ते भर सीपीआर देते हुए सूरजपुर से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया



शिशु की स्थिति अत्यधिक गंभीर होने पर ईआरसीपी डॉ. जितेंद्र के ऑनलाइन चिकित्सकीय मार्गदर्शन में नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया तथा पूरे सफर के दौरान सीपीआर व सक्शन की प्रक्रिया निरंतर जारी रखी गई। पायलट फ़्लोइड अंसारी की सुझाव और नियंत्रित ड्राइविंग की मदद से गंभीर मरीज को बिना किसी देरी के सुरक्षित मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर पहुंचाया गया, जहां उसे तुरंत गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया।

शासकीय उद्यान रोपणी लालपुर में... एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण संपन्न

- 60 कृषकों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सीखी आधुनिक उद्यानिकी तकनीकें



तकनीकों को बढ़ावा देकर उत्पादन लागत कम करना, फसलों की गुणवत्ता बढ़ाना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना रहा। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चार सत्रों में आयोजित प्रशिक्षण में वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी अर्जुन सिंह मरावी ने ड्रिप सिंचाई, मल्लिचिंग, उन्नत सब्जी उत्पादन तथा जल संरक्षण की तकनीकों की जानकारी दी। उद्यान प्रभारी ठाकुर मुकुंद माधव सिंह ने कोकोपीट एवं खाद के मिश्रण से गुणवत्तायुक्त पौध (थरहा) तैयार करने तथा फसलों में रोग एवं कीट प्रबंधन के वैज्ञानिक उपाय बताए। प्रशिक्षण के दौरान आम के पौधों में ग्राफ्टिंग (कलम बांधना) तथा लीची एवं नींबू के पौधों में गुटी बांधने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

प्रतिभागियों ने स्वयं इन तकनीकों का अभ्यास भी किया। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में मशरूम उत्पादन, अतिरिक्त आय के अवसरों तथा उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। एआईसी के जिला समन्वयक विमल चौधरी ने उद्यानिकी फसलों के बीमा, फसल जोखिम से सुरक्षा एवं बीमा योजनाओं के लाभों की जानकारी देते हुए पात्र कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कृषि स्थायी समिति गौरेला की सभापति श्रीमती सीता मुकेश सोनवानी, जनपद सदस्य श्रीमती सविता राठौर, ग्राम पंचायत लालपुर की सरपंच श्रीमती इंदरनिया बाई एवं वरिष्ठ नागरिक पणू नरवरिया उपस्थित थे।



जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य सुरक्षा प्रहरियों को आवश्यक कौशल, अनुशासन, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा से सुसज्जित करना है। अपने संवोधन में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा, वहीं कोई सामान्य वस्त्र नहीं, आपकी पहचान है, आपके चरित्र, अनुशासन और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपने आचरण में संयम, व्यवहार में

शालीनता तथा निर्णयों में विवेक बनाए रखने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान सशस्त्र प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि श्री बिरंची दास द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मा.सं./सुरक्षा) श्री सुवंकर परिड़, महाप्रबंधक (एच.आर.डी.) श्री बी.सी. सेठी, सुरक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट कमांडर बी. दक्षिणामूर्ति, अधिकारी, प्रशिक्षक एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

मन जागृति अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान का हुआ सम्मान



सूरजपुर संवाददाता। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित मन जागृति अभियान के तहत सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा प्रशांत सिंह के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय सूरजपुर के सभाकक्ष में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं सहयोगी संस्था सम्मान समारोह आयोजित किया गया था कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डा अजय मरकाम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा राजेश पैकरा तथा मनोरोग विशेषज्ञ डा अंकित शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व,समय पर उपचार, परामर्श सेवाओं कि उपलब्धता एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े भ्रांतियों को दूर करने हेतु अपने अपने विचार व्यक्त किए।इस दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा छग को सूरजपुर मे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा छग के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहू ने बताया कि संस्थान 1990 से

लगातार सामाजिक कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा जिला सूरजपुर मे नशामुक्ति केंद्र और वृद्धाश्रम का संचालन लगातार कर रही है। साथ ही संस्था बाल अधिकार, महिला अधिकार, बाल-विवाह रोकथाम, धरेल् हिसा से पिछित महिलाओं के लिए जागरुकता अभियान, टोनही प्रतारणा के खिलाफ जन-जागरुकता अभियान लगातार चला रही है । छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान द्वारा संचालित केन्द्र में भर्ती मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान कर उचित सलाह और सेवा प्रदान कर रही है साथ मानसिक रोगी लोगों के परिवार को समझाई देकर सेन्दरी, रांची भेजने का भी कार्य कर रही है। इस कार्यक्रम में 10 वीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला जेल सूरजपुर,बालक, बालिका छात्रावास, अरूणोदय कोचिंग क्वार्टर, मितालिन कार्यक्रम सहित अनेकों संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहू और स्नेह संबल वृद्धाश्रम तिलमुवा सूरजपुर के अधिक्षक पायल गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान को पुर्व में उल्लेखनीय समाज सेवा के लिए अनेकों पुरस्कार प्रदान किया गया है।